गाजियाबाद , दिल्ली एवं नोएडा से एक साथ प्रकाशित

R.N.I.NO. UPHIN/1998/202

हिन्द आत्मा

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु स्वीकृत

दैनिक

प्रातः कालीन संस्करण

दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मेरठ, मोदीनगर, बागपत, हापुड, बुलन्दशहर, मुरादाबाद एवं लखनऊ में सर्वाधिक प्रसारित

● वर्षः 26 ● अंकः 308 ● गाजियाबाद, शनिवार 08 फरवरी, 2025 ● सम्पादक-अशोक कौशिक ● मूल्य : 1 रूपया

किसके सिर सजेगा दिल्ली का रण?

मोदी का मैजिक चलेगा या केजरीवाल 'शो' बरकरार, कांग्रेस करेगी कमाल !

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा इस बार राजधानी में असर दिखा पाएगा या फिर आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की सियासी रणनीति एक बार फिर सफल होगी। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कामयाब होने के बारे में शनिवार को मतगणना के बाद खुलासा होगा।

दरअसल बीते दो विधानसभा चुनावों में भाजपा मोदी लहर के बावजूद दिल्ली में सरकार बनाने में असफल रही थी, जबकि केजरीवाल का मैजिक चलता रहा और आम आदमी पार्टी ने भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की। दूसरी ओर, कांग्रेस इन चुनावों में लगातार हाशिए पर ही रही है। भाजपा के लिए यह चुनाव किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। लोकसभा चुनाव के बाद कई राज्यों में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया और मोदी के नाम पर जीत दर्ज की, लेकिन दिल्ली में विधानसभा चुनाव का समीकरण हमेशा अलग रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर इस बार भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ता है, तो यह संकेत होगा कि मोदी की लोकप्रियता का असर राज्य स्तरीय चुनावों में सीमित हो सकता है। इसके विपरीत यदि भाजपा इस बार मजबूत प्रदर्शन करती है, तो यह संकेत होगा कि केंद्र सरकार की नीतियां और मोदी का करिश्मा अब दिल्ली की जनता को भी प्रभावित कर रहा है। दरअसल भाजपा के चुनाव प्रचार की शुरूआत

मोदी ने की थी और उन्होंने पांच सभा करके अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा था। अरविंद केजरीवाल ने पिछले दो चुनावों में भाजपा और कांग्रेस दोनों को शिकस्त दी थी और आप को दिल्ली में अभूतपूर्व सफलता मिली थी। उनके शासनकाल में शिक्षा, स्वास्थ्य और मुफ्त सुविधाओं पर जोर दिया गया, जिसने उन्हें जनता के बीच लोकप्रिय बनाए रखा। हालांकि, इस बार भाजपा ने आक्रामक प्रचार अभियान चलाया और केजरीवाल सरकार को घेरने की पूरी कोशिश की। खासकर आप सरकार में हुए भ्रष्टाचार और विभिन्न मामलों में सरकार की नामाकी और अनेक वादे पूरे नहीं करने के मुद्दों को उठाते हुए भाजपा ने मतदाताओं को रिझाने का प्रयास किया।

ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या इस बार भी दिल्ली की जनता केजरीवाल की योजनाओं पर भरोसा जताती है या भाजपा के एजेंडे को स्वीकार करती है। दिल्ली की राजनीति में कभी मजबूत पकड़ रखने वाली कांग्रेस बीते दो चुनावों में पूरी तरह अप्रासंगिक हो गई थी। वर्ष 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी और पार्टी का वोट शेयर भी तेजी से गिरा था। हालांकि, इस बार कांग्रेस ने पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ा और राहुल गांधी व प्रियंका गांधी ने लगातार प्रचार किया। अगर कांग्रेस इस चुनाव में कुछ सीटें हासिल करने में सफल होती है तो यह उसके पुनरुत्थान की शुरूआत हो सकती है। लेकिन अगर पार्टी फिर से शून्य पर सिमट जाती है तो यह उसके लिए एक और बड़ा झटका होगा। विधानसभा चुनाव में इस बार की तस्वीर कुछ बदली-बदली सी नजर आई। पिछले चुनावों में जहां एकतरफा लहर देखने को मिलती थी, इस बार चुनावी रणभूमि में ऐसा कुछ साफ नजर नहीं आया।

गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने भी लगाई पावन डुबकी

बोले- त्रिवेणी संगम में स्नान सौभाग्य की बात

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ में उमड़ रहे आस्था के जनसमुद्र के बीच शुक्रवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी श्रद्धा की डुबकी लगाने पहुंचे। संगम त्रिवेणी में स्नान करने के बाद उन्होंने योगी सरकार द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कुम्भ क्षेत्र में सुंदर व्यवस्था की गई है और कहीं भी किसी को कोई समस्या नहीं हो रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि त्रिवेणी संगम में स्नान मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने संगम स्नान से पूर्व बड़े हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की और फिर सेक्टर 7 स्थित गुजरात पवेलियन का भी अवलोकन किया। त्रिवेणी संगम में स्नान के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने योगी सरकार द्वारा किए गए प्रबंधों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कुम्भ क्षेत्र में सुंदर व्यवस्था की गई है और कहीं भी किसी को कोई समस्या नहीं हो रही है। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाएं अद्भुत हैं। स्वच्छता से लेकर हर सुविधा तक, सब कुछ बहुत ही अच्छा है। गुजरात सीएम ने कहा कि हमें पवित्र स्नान करने का अवसर मिला, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। त्रिवेणी संगम, जो भारत की आस्था का केंद्र है, वहां स्नान करने के बाद हर व्यक्ति स्वयं को भाग्यशाली मानता है। मोटरबोट से पूरी सुरक्षा के बीच मुख्यमंत्री त्रिवेणी संगम पहुंचे और यहां उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण और श्लोकों के बीच आस्था की डुबकी लगाई।

घरेलू हिंसा के मामलों में संवेदनशीलता बरतना अत्यंत जरूरी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा के मामलों को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ संभालने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि किसी आरोपी के परिवार के सदस्यों को आपराधिक मामले में विशेष आरोप के बिना व्यापक रूप से नहीं फंसाया जाना चाहिए। जस्टिस बीवी नागरत्ना व जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि वैवाहिक विवादों में भावनाएं बहुत अधिक होती हैं और परिवार के उन अन्य सदस्यों को फंसाने की प्रवृत्ति हो सकती है जो शिकायतकर्ता के बचाव में आगे नहीं आते हैं या उत्पीड़न की किसी घटना के मूकदर्शक बने रहते हैं। पीठ ने कहा कि घरेलू हिंसा से जुड़े आपराधिक मामलों में, जहां तक संभव हो, परिवार के प्रत्येक सदस्य के खिलाफ शिकायतें और आरोप विशिष्ट होने चाहिए। ऐसा नहीं हुआ तो परिवार के सभी सदस्यों को अंधाधुंध तरीके से घसीटकर आपराधिक प्रक्रिया का दुरुपयोग हो सकता है। इस टिप्पणी के साथ पीठ ने एक महिला के सुसराल वालों के अलावा उन लोगों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया जिन्हें महिला ने घरेलू हिंसा में आरोपी बताया था। तेलंगाना हाईकोर्ट ने मुख्य आरोपी की मौसी और चचेरे भाई के खिलाफ कार्यवाही रद्द करने से इन्कार कर दिया था।

गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा पिपलहेडा गांव में अवैध निर्माण पर की गई बड़ी कार्यवाही

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के द्वारा अवैध निमार्णों पर सख्त कार्यवाही के निदेर्शों के क्रम में शुक्रवार को प्रवर्तन जोन-5 की ध्वस्तीकरण टीम, अभियान के तहत ग्राम पिपलहेडा के खसरा सं०-335 पर मोहम्मद जाहिद हुसैन पुत्र श्री अफसर अली एवं श्री युसुफ अली पुत्र श्री मुस्तफा अली द्वारा अवैध रूप से विकसित की जा रही एस०आर० एन्क्लेव कॉलोनी पर पहुँची जहाँ कॉलोनी का मुख्य द्वार बन्द था। ध्वस्तीकरण टीम मुख्य द्वार को तोडते हुए कॉलोनी में पहुँचे, इसके उपरान्त कॉलोनी के अन्तर्गत काली सड़कों, डिवाइडर इत्यादि को तोड़ने के उपरान्त बिल्डर का साइट ऑफिस तोडा गया। दस्ता द्वारा पार्कों एवं बाउण्ड्रीवॉल को ध्वस्त करते हुए सनी अन्य कच्ची सड़को को भी काटकर समाप्त कर दिया गया। स्थल पर पुलिस थाना-धौलाना एवं जीडीए पुलिस द्वारा ग्रामीणों एवं विकासकताओं तथा सहयोगियों को खदेडकर शान्ति व्यवस्था कायम की गयी। स्थल पर प्रवर्तन जोन-5 के सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता समस्त सुपरवाइजर एवं ध्वस्तीकरण दस्ता उपस्थित रहे। प्रभारी प्रवर्तन जोन-05 द्वारा बताया गया कि अवैध कालोनियों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही जारी रहेगी तथा कोई अवैध निर्माण क्षम्य नहीं होगा। साथ ही जनता को अवैध कालोनियों के बारे में सचेत करते हुए इन अवैध कालोनियों में प्लाट न खरीदने की सलाह दी गयी। उनके द्वारा यह बताया गया कि भविष्य में अवैध निर्माणों के विरूद्ध कार्यवाही जारी रहेगी।

केंद्रीय कैबिनेट ने नए आयकर बिल पर भी लगाई मुहर

कौशल भारत कार्यक्रम के लिए 8800 करोड़ की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी। इसमें कौशल भारत कार्यक्रम के लिए 8,800 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के कार्यकाल को तीन साल के लिए बढ़ाया गया है। वहीं दक्षिण तटीय रेलवे जोन के विकास के लिए बड़ा फैसला लिया गया। वहीं सूत्रों ने बताया कि कैबिनेट ने नए आयकर बिल को भी मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कई फैसले लिए गए। मंत्रिमंडल ने 2022-23 से 2025-26 की अवधि के लिए 8,800 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 2026 तक कौशल भारत कार्यक्रम (एसआईपी) को जारी रखने और पुनर्गठन को मंजूरी दी। इससे देशभर में भविष्य के लिए कुशल, मांग पर आधारित, तकनीकी रूप से सक्षम और औद्योगिक रूप से प्रशिक्षित युवाओं को तैयार किया जा सकेगा। इस योजना के तहत प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0), प्रधान मंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (पीएम-एनएपीएस) और जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) योजना को जोड़ दिया गया। अब यह तीनों योजनाएं कौशल भारत कार्यक्रम का हिस्सा होंगी। नए आयकर बिल की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट में घोषणा की थी। उन्होंने इस बिल को संसद के मौजूदा सत्र में पेश करने की बात कही थी। सूत्रों की मानें तो मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद अगले हफ्ते इसे संसद में पेश किया जाएगा। संसद की मंजूरी के बाद यह छह दशक पुराने आयकर कानून की जगह लेगा। नए विधेयक का उद्देश्य प्रत्यक्ष कर कानून को समझने को आसान बनाना और कोई नया कर बोझ नहीं डालना है। इसकी खास बात यह होगी कि प्रावधान और स्पष्टीकरण या लंबे वाक्य नहीं होंगे। सूत्रों ने कहा कि अगले हफ्ते संसद में पेश किए जाने के बाद बिल को संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति के पास भेजा जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई 2024 के बजट में ही आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा की घोषणा की थी। सीबीडीटी ने समीक्षा की देखरेख करने और अधिनियम को संक्षिप्त, स्पष्ट और समझने में आसान बनाने के लिए एक आंतरिक समिति का गठन किया था, जिससे विवाद, मुकदमेबाजी कम होगी और करदाताओं को अधिक कर निश्चितता मिलेगी। आयकर अधिनियम के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा के लिए 22 विशेष उप-समितियां बनाई गई हैं। चार श्रेणियों में जनता के इनपुट और सुझाव आमंत्रित किए गए थे। ये श्रेणियां हैं भाषा का सरलीकरण, मुकदमेबाजी में कमी, अनुपालन में कमी और अनावश्यक/अप्रचलित प्रावधान। आयकर विभाग को आयकर अधिनियम की समीक्षा पर हितधारकों से 6,500 सुझाव मिले हैं। मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग का कार्यकाल 31 मार्च 2025 के बाद तीन साल तक बढ़ाने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगा दी। इस फैसले से सरकार पर लगभग 50.91 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा।

एक एफआईआर से जुड़ी सभी जमानत याचिकाएं एक ही पीठ सुने: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि एक ही एफआईआर से जुड़े सभी जमानत आवेदनों को उच्च न्यायालय में एक ही न्यायाधीश या पीठ के समक्ष रखा जाना चाहिए। इससे जमानत मामलों में विचारों में एकरूपता सुनिश्चित होगी। मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी आर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने जुलाई 2023 में शीर्ष अदालत के तीन न्यायाधीशों की पीठ के आदेश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि एक ही एफआईआर से उत्पन्न सभी मामलों को एक ही न्यायाधीश के पास भेजना उचित है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एक ही एफआईआर से संबंधित सभी जमानत आवेदनों को एक ही न्यायाधीश के पास भेजा जाना चाहिए ताकि फैसलों में समानता बनी रहे। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर एक ही एफआईआर से जुड़े मामलों में अलग-अलग न्यायाधीशों के पास जमानत आवेदन होते हैं, तो बाद में मामले की सुनवाई करने वाला न्यायाधीश पहले के फैसलों को उचित महत्व दे सकता है। बता दें कि यह आदेश झारखंड उच्च न्यायालय में लंबित एक जमानत याचिका पर पारित किया गया। याचिकाकर्ता ने बताया कि उनकी जमानत याचिका को उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के पास रखा गया था, जबकि सह-आरोपी के मामले पर दूसरे न्यायाधीश ने फैसला दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे असामान्य स्थिति मानते हुए कहा कि इससे अलग-अलग दृष्टिकोण आ सकते हैं। साथ ही कोर्ट ने उम्मीद जताई कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पहले के फैसलों को ध्यान में रखेंगे, खासकर जब जमानत मामलों में रोस्टर प्रणाली का पालन किया जाता है और न्यायाधीशों की नियुक्ति बदलती रहती है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि बाद में दायर जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करने वाले न्यायाधीशों को पहले के न्यायाधीशों द्वारा लिए गए विचारों को ध्यान में रखना चाहिए।

महाकुम्भ में बसंत पंचमी के बाद भी नहीं कम हो रही जन आस्था, स्नान को देशभर से आ रहे लोग

महाकुम्भ में उमड़ा 'आस्था का महासागर', स्नानार्थियों की संख्या 40 करोड़ के पार

महाकुम्भ नगर। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब एक नए शिखर पर पहुंच गया है। इसी क्रम में शुक्रवार सुबह तक महाकुम्भ में स्नानार्थियों की संख्या ने 40 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। शुक्रवार को सुबह 10 बजे तक 42.07 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। इसके साथ ही महाकुम्भ में स्नानार्थियों की कुल संख्या 40 करोड़ पार हो गई। अभी महाकुम्भ को 19 दिन शेष है और पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की संख्या 50 करोड़ के पार जा सकती है। प्रयागराज में तीनों अमृत स्नान (मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी) के बाद भी श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। पूरे देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से पवित्र त्रिवेणी में श्रद्धा और आस्था के साथ डुबकी लगाकर पुण्य प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु प्रतिदिन लाखों की संख्या में प्रयागराज पहुंच रहे हैं। बसंत पंचमी के अंतिम अमृत स्नान पर्व के बाद भी करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान को पहुंच रहे हैं। शुक्रवार, 7 फरवरी को सुबह 10 बजे तक 42.07 लाख लोगों ने त्रिवेणी में स्नान किया। इसके बाद कुल स्नानार्थियों की संख्या 40 करोड़ के ऊपर पहुंच गई है। स्नानार्थियों में 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश-विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे। यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई, इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी।

ये प्रमुख लोग अब तक लगा चुके हैं पावन डुबकी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ (मंत्रिमंडल समेत) संगम में डुबकी लगा चुके हैं। इसके अलावा प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, श्रीपद नाइक, बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी, राज्य सभा सांसद सुधा मूर्ति, असम विधानसभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे, गोरखपुर के सांसद रवि किशन, हेमा मालिनी, पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री, अनुपम खेर, मिलिंद सोमण, ओलम्पिक मेडलिस्ट साइना नेहवाल, एक्ट्रेस से किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनीं ममता कुलकर्णी, प्रख्यात कवि कुमार विश्वास, क्रिकेटर सुरेश रैना, अन्तरराष्ट्रीय रेसलर खली, कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा, बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता के अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद भी संगम में स्नान कर चुके हैं। आगामी 10 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी संगम में पावन डुबकी लगाने आएंगी।

377 करोड़ से शहर के विकास कार्यों को लगेंगे पंख, महापौर तथा नगरायुक्त ने बनाई कार्य योजना, 15 वित्त समिति ने की संस्तुति

वायु गुणवत्ता सुधार के कार्यों को भी मिलेगा बढ़ावा : नगरायुक्त

- गाजियाबाद को ग्रीन गाजियाबाद बनाने में जुटा नगर निगम महापौर तथा नगर आयुक्त ने बनाई कार्य योजना
- इंदिरापुरम सहित सभी जोन में होंगे निर्माण, उद्यान तथा जलकल के कार्य : महापौर
- अमरुत योजना के अंतर्गत 15 करोड़ से निगम बढ़ाएगा वॉटर कनेक्शन, वाटर स्काडा की शहर में होगी शुरूआत

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर में 377 करोड़ के विकास कार्यों को हरी झंडी दी गई है कि इंदिरापुरम योजना अंतर्गत 185 करोड़, 15 वित अंतर्गत 106 करोड़, एयर क्वालिटी अंतर्गत 71 करोड़ तथा अमरुत योजना अंतर्गत 15 करोड़ को स्वीकृत किया गया है' जिसमें इंदिरापुरम क्षेत्र में 185 करोड़ के कार्यों को करने हेतु योजना बनाई जा चुकी है जिसमें से 110 करोड़ के कार्यों को टेंडर प्रक्रिया में शामिल करने का निर्णय लिया जा चुका है, 50 करोड़ के नालों का निर्माण तथा 50 करोड़ सड़क सुधार में लगाए जाएंगे, इसके अलावा 20 करोड़ पेयजल व्यवस्था सुधार हेतु तथा 25 करोड़ सीवर लाइन के कार्यों हेतु रहेगा' उद्यान विभाग 11 करोड़ से पार्कों का जीर्णोद्धार कराएगा प्रकाश विभाग के द्वारा लगभग 14 करोड़ से इंदिरापुरम क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा, स्वास्थ्य विभाग को 15 करोड़ दिए गए हैं जिसमें इंदिरापुरम क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को मजबूती मिलेगी आधुनिक उपकरणों को खरीदा जाएगा। महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में गाजियाबाद नगर निगम शहर के विकास को रफ्तार दे रहा है जिसमें गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से इंदिरापुरम हैंडोवर के समय निर्धारित 185 करोड़ हेतु कार्य योजना बन चुकी है इसके अलावा एयर क्वालिटी इंडेक्स के अंतर्गत लगभग 85 करोड़ से भी शहर के विकास कार्यों को कराया जाएगा जिसमें 58 करोड़ से मुख्य सड़कों के सुधार का कार्य होगा, 10 करोड़ से उद्यान विभाग ग्रीन बेल्ट तथा सेंट्रल वर्ज को बेहतर करेगा, शहर को ग्रीन गाजियाबाद के रूप में बनाने हेतु उद्यान विभाग के द्वारा विशेष कार्यवाही कराई जाएगी, एयर क्वालिटी इंडेक्स के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग को 13 करोड़ दिए गए हैं जिसमें आधुनिक उपकरणों को शहर हित में खरीदा जाएगा, महापौर द्वारा बताया गया कि ऐसे क्षेत्र जहां विकास की अधिक आवश्यकता है उनको प्राथमिकता पर विकसित किया जाएगा तथा आवश्यकता अनुसार मलिन बस्तियों में अन्य क्षेत्रों में भी कार्य कराए जाएंगे आंतरिक वार्डों के साथ-साथ मुख्य मार्गों को भी सुसज्जित करने हेतु शामिल किया गया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा बताया गया कि सभी मदों से प्राप्त होने वाली धनराशि से शहर को न केवल विकास की और बढ़ाया जाएगा बल्कि वायु गुणवत्ता सुधार को लेकर विशेष ध्यान दिया जाएगा कार्य योजना बनाते हुए शहर को ग्रीन गाजियाबाद बनाने की योजना को सफल बनाने हेतु कार्यवाही की जाएगी, नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि 15 वित से लगभग 106 करोड़ के कार्य आंतरिक वार्डों के साथ-साथ मुख्य मार्गों में भी कराए जाएंगे जिसमें 60 करोड़ के कार्य सफाई हेतु, 26 करोड़ के नाला निर्माण हेतु, तथा 24 करोड पेयजल व्यवस्था तथा सिविर लाइन व्यवस्था हेतु उपयोग में लिए जाएंगे, सभी विकास कार्यों को 15 वित्त समिति द्वारा भी स्वीकृति दी गई है, नगर आयुक्त द्वारा यह भी बताया गया कि अमरुत के अंतर्गत 15 करोड़ की लागत से वॉटर कनेक्शन को बढ़ाया जाएगा तथा वाटर स्काडा की शुरूआत भी गाजियाबाद में की जाएगी जिसके क्रम में जलकल विभाग हाईटेक होगा जानापूर्ति की मॉनिटरिंग ऑनलाइन कर सकेगा।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने जानी बैंकों की एसओपी

लापरवाही करने वाले बैंकर्स के साथ सप्ताह में दो बार होगी मीटिंग: अभिनव गोपाल

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। दुर्गावती देवी सभागार, विकासभवन में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल आईएएस की अध्यक्षता में 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' योजना की प्रगति के सम्बंध में बैठक आहूत हुई। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' योजना अन्तर्गत बैंकों को प्रेषित 985 आवेदनों की सम्बंधित जिला समन्वयकों के साथ बैंकवार समीक्षा की गई। बैंकों द्वारा स्वीकृत किये गये 326 आवेदनों पर प्रत्येक बैंक से ऋण वितरण की स्थिति के विषय में जानकारी चाही गई। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने सभी बैंकर्स से क्रमवार उनके स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) से अवगत हुए तदोपरांत उन्होने बैंकर्स के बैंकों में लम्बित एवं अस्वीकृत आवेदनों की आख्या रिर्पोट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। उन्होने कहा कि जब आपकी एसओपी आपके अनुसार लगभग 14-21 दिनों में लोन डिस्बर्श कर देते है तो आवेदन लम्बित क्यों, साथ ही डिस्बसिंग में देरी क्यों होती है। उन्होने कहा कि उक्त योजना के सम्बंध में जिन बैंकर्स द्वारा लापरवाही बरती जा रही है उनके साथ योजना की प्रगति के सम्बंध में सप्ताह में दो बार मीटिंग की जायेगी। इसके साथ की योजना प्रगति मीटिंग में जो बैकर्स उपस्थित नहीं होंगे उनके खिलाफ सख्ती से त्वरित कार्यवाही की जायेगी। उन्होने कहा कि जब कार्य हमें करना ही होता है तो हम कार्य के प्रति लापरवाही बरततें हुए पें डेंसी क्यों रखते हैं। हमें अपना कार्य समयान्तराल में ही पूर्ण कर लेना चाहिए। उन्होने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की शत–प्रतिशत पूर्ति करना सुनिश्चित किया जाएं। बैठक के दौरान जीएमडीआईसी श्रीनाथ पासवान ने बताया किया 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' माननीय मुख्यमंत्री की जनहित सम्बंधित महत्वाकांक्षी योजना है। आगामी 03 मार्च 2025 को 'लोन मेला' आयोजित होना सम्भावित है, जिसमें मुख्य अतिथि की उपस्थित में 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' के एक हजार आवेदकों के लोन वितरित किये जाने हैं। अतः सभी बैंकर्स प्राप्त आवेदनों को त्वरित कार्यवाही करते हुए स्वीकृत या अस्वीकृत करना सुनिश्चित करें। उन्होने बताया कि उक्त योजना में सिविल स्कोर 670 तक मान्य है, आवदेक को 670 के सिविल स्कोर पर भी लोन दिया जा सकता है। बैठक में मुख्य रूप से एलडीएम बुधराम, विभागीय अधिकारी/कर्मचारी, बैंकों के प्रतिनिधि एवं आवेदक उपस्थित रहे।

खेलो में बच्चों का भविष्य सुरक्षित: चौ नीरपाल

खेल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी चौ नीरपाल सिंह, विजय कौशिक ने विजेता उप विजेता टीमों को मेडल पहनाकर किया सम्मानित किया

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। ईश्वर चंद इण्टर कॉलेज में कबड्डी प्रतियोगिता में पहुंचे बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व राज्यमंत्री चौ. नीरपाल सिंह ने कहा कि हमारे बीच में एक से एक प्रतिभाएं छुपी हुई हैं इन्हें उभारना हम सबका कर्तव्य बनता है यदि इन बच्चों को प्रोत्साहित किया जाए तो ये बच्चे एक दिन राष्ट्रीय स्तर पर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना हुनर दिखाते नजर आएंगे। राष्ट्रीय महासचिव खेल प्रकोष्ठ विजय कौशिक ने कहा कि ये बच्चे देश का भविष्य है। हमारे नेता केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी भी खेलो के माध्यम से बच्चों का भविष्य संवारने में अग्रसर हैं। कॉलेज प्रबंधक पवन त्यागी ने कहा कि हमारा विद्यालय खेल प्रतिभाओं को निखारने में पूरा सहयोग कर रहा है। हम हर स्तर पर बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे। इस दौरान कॉलेज की प्रधानाचार्य श्रीमती आभा त्यागी ने सभी बच्चों को अपना आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर विद्यालय के सैकड़ों छात्र छात्राएं एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

साप्ताहिक बाजार मुद्दे पर जनप्रतिनिधियों की मीटिंग बुलाकर निवारण हो : इंद्रजीत सिंह टीटू

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। राष्ट्रीय लोकदल का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (माइनॉरिटी) इंद्रजीत सिंह टीटू ने जिलाधिकारी गाजियाबाद दीपक मीणा को दिए गए पत्र में कहा है कि रोड पर साप्ताहिक बाजार न लगे इसको लेकर जो शहर में एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। इस पर जनप्रतिनिधियों की मीटिंग बुलाकर निवारण हो। उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रीय लोकदल का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (माइनॉरिटी) राष्ट्रीय लोकदल के नाते आपसे गुजारिश करना चाहता हूं कि साप्ताहिक बाजार की वजह से शहर में जाम लगता है और आमजन को दिक्कत होती है। इस मुद्दे पर मीटिंग बुलाकर इसका जल्द निवारण होना चाहिए क्योंकि खास तौर से मेरी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल किसान मजदूर आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति से संबंध रखती है और गरीब आदमी के हक की लड़ाई लड़ने के लिए अगली पंक्ति में रहती है।महोदय मेरा आपसे एक सुझाव है गाजियाबाद के सभी सम्मानित जनप्रतिनिधि और साप्ताहिक बाजार से जुड़े हुए पदाधिकारी आपके पास बैठे आप शहर की जो समस्या जाम को लेकर है बाजार की वजह से जो दिक्कत है आप उनसे डिस्कस करें और आपके सामने से जनप्रतिनिधि और बाजार वाले उसका रास्ता बताएं और मिलकर ऐसा नहीं हो सकता कि इसका रास्ता नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा कि मुझे आशा ही नहीं उम्मीद है कि आप मेरे निवेदन को स्वीकार करते हुए अगर मेरा सुझाव अच्छा लगेगा तो बहुत जल्द आप मीटिंग बुलाकर इसका निवारण करेंगे।

उ0प्र0 ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत दो दिवसीय जनपद स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी, गाजियाबाद ने प्रेस नोट जारी करते हुए बताया कि युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग गाजियाबाद द्वारा उ०प्र० ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत दो दिवसीय जनपद स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन महामाया स्पोर्टस स्टेडियम गाजियाबाद में सम्पन्न किया गया, जिसमें सभी विकास खण्डों के खण्ड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में करीब 600 चयनित खिलाड़ियों द्वारा जनपद स्तर पर एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, फुटबॉल, बैडमिंटन, बॉलीवाल, जूडो और भारोत्तोलन विधाओं में प्रतिभाग किया गया। दिनांक 06 फरवरी सांय 04 बजे प्रतियोगिता का समापन विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुचेता सिंह मा० ब्लाक प्रमुख भोजपुर द्वारा विजेता बालक व बालिका खिलाड़ियों को मैडल, ट्राफी एवं प्रमाण पत्र द्वारा पुरस्कृत किया गया।

1660943 छात्र-छात्राओं को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएंगी: मुख्य चिकित्सा अधिकारी

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। जिले के सभी सरकारी, प्राईवेट स्कूलों, मदरसों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रो पर 10 फरवरी-2025 को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाना है। इसके लिए बुधवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० अखिलेश मोहन ने जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 फरवरी-2025 को 01 वर्ष से 19 वर्ष तक के सभी छात्र छात्राओं को एल्बेंडाजोल की गोलियां खिलाई जानी है। 10 फरवरी को दवा खाने से वंचित बच्चों के लिए 14 फरवरी-2025 को मापअप रांउड में दवा खिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि एल्बेंडाजोल की 400 एमजी की गोली स्कूलों में आवश्यकतानुसार उपलब्ध करा दी गई है। एक से दो साल के बच्चों को आधी गोली चूर्ण बनाकर पानी के साथ देना है। दो साल से ऊपर के बच्चे एल्बेंडाजोल की गोली चबाकर खा सकते हैं। जनपद में कुल 1660943 स्कूली छात्र-छात्राओं को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जानी है।

लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट द्वारा पेरियार ललई सिंह यादव का परिनिर्वाण दिवस 'समता, सद्भाव' दिवस के रूप में आयोजित

साहिबाबाद (हिन्द आत्मा)। शुक्रवार को लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट द्वारा ज्ञानपीठ केन्द्र 1, स्वरुप पार्क जी० टी० रोड साहिबाबाद के प्रांगण में सामाजिक न्याय के अग्रदूत, पाखंड धर्मान्धता के घोर विरोधी, दलितों, पिछड़ों, प्रताड़ितों की आवाज उत्तर भारत के पेरियार ललई सिंह यादव का परिनिर्वाण दिवस 'समता, सद्भाव' दिवस के रूप में आयोजित किया गया, लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट के संस्थापक/अध्यक्ष शिक्षाविद राम दुलार यादव मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम में शामिल रहे, अध्यक्षता चन्द्रबली मौर्य ने किया, आयोजन इंजी० धीरेन्द्र यादव ने किया, हुकुम सिंह ने देश प्रेम का गीत, राजेन्द्र सिंह ने भजन गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, कार्यक्रम में शामिल सभी साथियों ने पेरियार ललई सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें स्मरण किया, तथा देश और समाज में नई क्रान्ति पैदा करने वाले उनके विचार को जन–जन में पहुँचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षाविद राम दुलार यादव समाजवादी चिन्तक ने कहा कि ललई सिंह यादव ने निर्भीकता पूर्वक रुढ़िवाद, धर्मान्धता तथा देश, समाज में व्याप्त कुरीतियों का जमकर विरोध किया, दक्षिण भारत में पेरियार ई0 वी0 रामा स्वामी ने अंग्रेजी में सच्ची रामायण लिखी, और लोगों को झूठ, अंधविश्वास, अंधश्रद्धा से निजात दिलाने तथा नई चेतना पैदा करने का काम किया, उनकी अनुमति से पेरियार ललई सिंह यादव ने उत्तर भारत में हिंदी अनुवाद सच्ची रामायण का करके दलितों, पिछड़ों, कमजोर वर्गों को पाखंड से निकलने के लिए उद्वेलित किया, वह सफल लेखक भी थे, लघु कथा, नाटक के माध्यम से लोगों में जागरूकता पैदा की, वह स्वतंत्रता आन्दोलन में काम करते हुए डा0 भीमराव अम्बेदकर के विचार से भी प्रभावित रहे, उनका मानना था कि जब तक समाज में धर्मान्धता है, भय, भ्रम व्याप्त है, तब तक समता, सद्भाव और सामाजिक क्रान्ति अधूरी है, उन्होंने लोगों को निडर रहने का सन्देश देते हुए कहा कि :–

'बलिदान न सिंह का होते सुना, बकरे बलिवेदी पर लाये गये।
बिषधारी को दूध पिलाया गया, केचुए कटिया में फंसाए गये।।
न काटे टेढ़े पादप गये, सीधो पर आरे चलाये गये।
बलवान का बाल न बांका भया, बलहीन सदा तडपाये गये'।।

लोगों को शिक्षित करने के लिए उन्होंने अपनी सारी खेती की जमीन बेच दी, अशोका पुस्तकालय कानपुर में खोलकर लोगों के लिए शिक्षा का द्वार खोला, उन्हें सिपाही की तबाही पुस्तक लिखने और सशस्त्र बल को आजादी के लिए प्रेरित करने के कारण सश्रम जेल में रहना पड़ा, वह अपने उद्देश्य में रिहा होने के बाद लगे रहे, लेकिन आज 21 वीं सदी में देश असमानता, नफरत, अन्धविश्वास, अंधश्रद्धा का शिकार है, नकली, झूठ फैलाने वालों की फौज खड़ी हो गयी है, पाखंड बढ़ता जा रहा है, धर्म की परिभाषा बदल गयी है, उसका स्थान दिखावा, कर्मकाण्ड आडम्बर ने ले लिया है, हम वहां सुख और आनन्द तलाश रहे है, जहाँ दु:ख, पीड़ा और दर्द है, तथा हम ठगी के शिकार हो रहे है, इन महापुरुषों ने अपना सर्वस्व त्याग कर हमें जो रास्ता दिखाया है, उस पर चलकर ही हम देश, समाज और व्यक्ति का सर्वांगीण विकास कर सकते है, अफसोस है कि राजनैतिक कारणों से जो सम्मान उन्हें मिलना चाहिए था वह नहीं मिलो इनके विचार को जन–जन तक पहुँचाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शामिल रहे, राम दुलार यादव, चिंतामणि यादव, चन्द्रबली मौर्य, हुकुम सिंह, हरेन्द्र यादव, मुनीव यादव, एस० एन० जायसवाल, चुन्नी लाल चौरसिया, सुरेन्द्र यादव, विजय भाटी एडवोकेट, गुड्डू यादव, राजेन्द्र सिंह, राजपाल यादव, अवधेश यादव, वीर सिंह, अमृतलाल चौरसिया, विजय मिश्र, गुलजार, मंजीत सिंह, हरिकृष्ण, अखिलेश कुमार शुक्ल, राजू, नवीन कुमार आदि।

योगी सरकार की पहल का असर, अब सड़क हादसों में ब्रेक लगाएंगे 'जोन ऑफ एक्सीलेंस'

लखनऊ/लखीमपुर खीरी। सड़क हादसे में सिर्फ एक शख्स की ही जान नहीं जाती है बल्कि उसके साथ कई लोगों का जीवन प्रभावित होता है। हादसे में जान गंवाने वाले शख्स के परिवार के साथ सबसे अधिक अपने भविष्य के सुनहरे सपनों को संजाने वाले नौनिहालों का जीवन प्रभावित होता है। ऐसे में जोन ऑफ एक्सीलेंस अपनों की हिफाजत का अभियान है। ये बातें जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने शुक्रवार को पायलेट प्रोजेक्ट के तहत कलेक्ट्रेट के 10 किमी की परिधि के क्षेत्र को 'जोन ऑफ एक्सीलेंस' घोषित करते हुए अभियान के शुभारंभ पर कही। अभियान की बेहतर परिणाम को देखते हुए इसे पूरे जिले में लागू किया जाएगा।

जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में सड़क हादसों को रोकने एवं हादसे के दौरान उन्होंने वाली मृत्यु को जीरो करने के लिए नो हेल्मेट नो फ्यूल अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में एक कदम आगे बढ़ाते हुए लखीमपुर खीरी में हादसों पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए पायलेट प्रोजेक्ट के तहत कलेक्ट्रेट के 10 किमी की परिधि के क्षेत्र को जोन ऑफ एक्सीलेंस घोषित किया गया है। डीएम ने शुक्रवार को अभियान के शुभारंभ के दौरान स्वयं खड़े होकर हादसों के शॉर्टकट बने हाईवे के अवैध कट को बंद कराए। साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क सुरक्षा के उपायों का अवलोकन किया। इस दौरान अभियान से जुड़े 84 स्टूडेंट्स को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, जोन ऑफ एक्सीलेंस क्षेत्र में लोगों में सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता का संदेश देंगे। डीएम ने कहा कि जोन ऑफ एक्सीलेंस के तहत रोड सेफ्टी विजन के सारथी बन रहे 84 एनएसएस-एनसीसी स्टूडेंट्स रीयल हीरो हैं। इस पुनीत दायित्व को संभालने के लिए स्वयं से आगे आने और इस अभियान से जुड़ने के लिए सभी 84 स्टूडेंट्स पुलिस कैडेट्स को शुभकामनाएं।

जल जीवन मिशन की बैठक मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न

कार्य की गुणवत्ता के साथ समझौता बर्दाश्त नहीं : सीडीओ

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की महत्वांकाक्षी योजना जल जीवन मिशन की बैठक मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में विकास भवन दुर्गावती सभागार में सम्पन्न हुई। जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद गाजियाबाद के ग्रामीण क्षेत्रो में पाइप पेयजल योजना के माध्यम से प्रत्येक घर मे पेयजल कनेक्शन देकर जलापूर्ति की जानी प्रस्तावित है। जनपद गाजियाबाद में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत 148 ग्रामों में पाइप पेयजल निर्मित की जानी है जिनमें से पूर्व में 148 ग्रामों की 128 डीपीआर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी हैं। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जनपद गाजियाबाद में जल जीवन मिशन के कार्य कर रही फर्म मैसर्स एल०सी०इन्फ्रा० टी०सी०एल० (जे०वी०) अहमदाबाद के द्वारा निर्मित की जा रही योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिशासी अभिंयता, जल निगम (ग्रामीण), द्वारा अवगत कराया गया है कि वर्तमान में समस्त 148 नग ग्रामों हेतु 128 नग पाईप पेयजल योजनाओं की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान की जा चुकी है। मैसर्स एल०सी०इन्फ्रा टी०सी०एल० (जे०वी०) अहमदाबाद के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया है कि समस्त 128 योजनाओं के सापेक्ष समस्त 128 योजनाओं के कार्य प्रगति पर हैं। समस्त 128 नग नलकूप, 85 नग ओवर हैड टैंक का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 40 नग ओवरहैड टैंक का कार्य प्रगति पर है। 90 नग पंम्पहाउस का कार्य पूर्ण, 95 नग बाउन्ड्रीवॉल का कार्य पूर्ण है। अवशेष का कार्य प्रगति पर है। लगभग

80 हजार हाउस कनैक्शन कराये जा चुके है। बैठक में विशेष रूप से 45 ग्रामों के कार्यो की समीक्षा की गई जिनमें से 13 ग्रामों के हेतु खण्ड विकास अधिकारियों को अपने स्तर से भी जल निगम के अभियन्ताओं के साथ ग्राम में जा कर कार्यो का निरीक्षण करते हुए हर घर जल प्रमाणीकरण कराने तथा साथ ही योजनाओं के रखरखाव हेतु त्रिपक्षीय अनुबन्ध गठित कराने हेतु जल निगम ग्रामीण के अभियन्ताओं से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्यवाही कराने के निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त 10 ग्रामों के छोटे-छोटे अवशेष कार्य पूर्ण कराकर उक्त ग्रामों में भी 25 फरवरी तक जांच करते हुए हर घर जल प्रमाणीकरण तथा रखरखाव हेतु त्रिपक्षीय अनुबन्ध की कार्यवाही हेत निर्देश दिये गये है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा योगेश कुमार ग्राम प्रधान बन्दीपुर विकास खण्ड मुरादनगर से ग्राम बन्दीपुर में जल जीवन मिशन के कार्यो की जानकारी ली गई। योगेश कुमार ग्राम प्रधान बन्दीपुर द्वारा बताया गया है कि ग्राम बन्दीपुर में अच्छा कार्य हुआ है तथा सडकों की मरम्मत भी उचित प्रकार से की गई है तथा ग्रामवासी सन्तुष्ट हैं। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा मैसर्स एल०सी०इन्फ्रा टी०सी०एल० (जे०वी०) अहमदाबाद के प्रतिनिधियों को निर्देश दिये गये है कि खण्ड विकास अधिकारियों, ग्राम प्रधानों एवं ग्रामवासियों के साथ समन्वय बनाते हुए समस्त कार्य उचित गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराकर योजनाओं को शीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जल निगम ग्रामीण के अभियन्ताओं, शासन से नामित थर्ड पार्टी एजेन्सी आर0वी0एसोसिएट, मेधज डी0पी0एम0यू0 टीम के सदस्यो को निरन्तर योजनाओं के कार्या का निरीक्षण करते हुए समस्त कार्य उचित गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कार्य की प्रगति बढ़ाकर समस्त ग्रामों में निर्धारित समय अवधि में योजनाओं को पूर्ण कराने हेतु निर्देश दिये गये। उन्होने कहा कि कार्य की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जायेगा, पूर्ण गुणवत्ता से कार्य सम्पन्न कराया जाएं। बैठक में जिला विकास अधिकारी श्रीमती प्रज्ञा श्रीवास्तव, भारत भूषण अधिशासी अभिंयता, जल निगम (ग्रामीण), पीयूष राय खण्ड विकास अधिकारी-भोजपुर, डॉ० आदेश कुमार खण्ड विकास अधिकारी-रजापुर, सुश्री विनी यादव खण्ड विकास अधिकारी-लोनी, सुधीर कुमार खण्ड विकास अधिकारी-मुरादनगर, विभिन्न ग्राम पंचायतो के ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान बन्दीपुर, सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता, जल निगम (ग्रामीण), कार्यदायी फर्म मैसर्स एल0सी0इन्फ्रा टी०सी०एल० (जे०वी०) अहमदाबाद के प्रोजैक्ट मैनेजर, डीपीएमयू टीम तथा टीपीआई टीम आदि उपस्थित रहे।

आईपीईएम गाजियाबाद में दो दिवसीय मल्टी डिसिप्लिनरी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (एमआईसी -2025) का आयोजन

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। एनएच 24 स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल एक्सीलेंस एंड मैनेजमेंट गाजियाबाद द्वारा दिनांक 7 और 8 फरवरी को दो दिवसीय इंटरनल क्वालिटी अशोरेंस सेल, अरियल यूनिवर्सिटी (इजरायल), इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज (हैदराबाद), इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल और जीएमए के सहयोग से मल्टीडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (एमलआईसी -2025) (सस्टेनेबल फ्यूचर ए ग्लोबल कन्वर्जेंस ऑफ बिजनेस, टेक्नोलॉजी एंड एजुकेशन) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कॉन्फ्रेंस के प्रारम्भ में आईपीईएम गाजियाबाद की निदेशक डॉ. गीति शर्मा ने सभी स्पीकर्स, पेपर प्रजेन्टर्स एवं सेशन चेयर्स का धन्यवाद दिया। संस्थान की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. सुगन्धा गोयल ने ससटेनेबिलिटि की महत्वता पर जोर दिया और उम्मीद जतायी कि यह कॉन्फ्रेंस ससटेनेबिलिटि एक्टीविटिज के लिये प्रेरणादायक स्रोत होगी। सत्र का उदघाटन डॉ. के.के. उपाध्याय प्रोफेसर एवं चेयरपर्सन सेंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी एंड सीएसआर

बिमटैक प्रो. (डॉ.) रश्मि गुप्ता हेड एवं प्रोफेसर ईसीई विभाग नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी ईस्ट कैंपस दिल्ली, डॉ. आलोक अग्रवाल प्रोफेसर स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंसेज यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज देहरादून उत्तराखंड, प्रो. कौशल किशोर हेड डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशनल स्टडीज जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली भारत द्वारा किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में विश्वस्तरीय शिक्षा एवं उद्योग जगत के एक्सपर्टस ने एकत्रित होकर एनवायरमेंट, सोशियल एण्ड गवरनेंस से सम्बन्धित नवीन विचारों की साझेदारी और अत्याधुनिक अनुसंधान का अनुभव साझा किया। सम्मेलन का एक विशेष आकर्षण हाई इम्पैक्ट जर्नल्स में पब्लिशिंग पर आयोजित कार्यशाला रही। कार्यशाला का नेतृत्व डॉ. आलोक अग्रवाल द्वारा किया गया। यह कार्यशाला शोधकर्ताओं एवं शिक्षाविदों को प्रतिष्ठित जर्नल्स में प्रकाशन के लिए आवश्यक कौशल एवं अंतर्दृष्टि प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित की गयी। इस कॉन्फ्रेंस में प्रमुख आठ सत्र थे जिसमें विश्वभर से 300 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत हुये इन शोध पत्रों का मूल्यांकन प्रबंधन, आईटी और शिक्षा के क्षेत्र से संबंधित 30 से अधिक सत्र अध्यक्षों द्वारा किया गया। वेलिडिक्ट्री सेशन में बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन अवार्ड की घोषणा हुई। डॉ. शशांक चैधरी डीन एकाडमिक्स आईपीईएम गाजियाबाद ने सभी विशेष अतिथियों, सम्मेलन संयोजक ओर प्रस्तुत कताओं को उनके प्रयास और ऊर्जा के लिये बधाई देते हुये धन्यवाद दिया। सभी वक्ताओं को उनकी बहुमूल्य उपस्थिति ओर इसे एक बडी सफलता बनाने के लिये धन्यवाद दिया। कॉन्फ्रेंस में डा. दिव्या सिंह, विदिति रस्तौगी एवं अनीता रानी ने संयोजक एवं डॉ. आस्था साहनी, डॉ. शालिनी अग्रवाल, डॉ. मौ.अरवाब, मृदला यादव व पारूल त्यागी ने सह संयोजक की भूमिका निभायी।

केडीबी पब्लिक स्कूल की प्री प्राइमरी विंग में दो दिवसीय शॉपिंग डे का किया गया आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। के.डी.बी. पब्लिक स्कूल में 6 और 7 फरवरी को शॉपिंग दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। शॉपिंग डे का मुख्य उद्देश्य छात्रों को वित्तीय प्रबंधन, स्मार्ट खरीद निर्णय लेने और आवश्यक जीवन कौशल विकसित करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना रहा। इस दिन विद्यार्थियों को सीखी गई बातों को उपयोगी रूप से लागू करने का मौका दिया जाता है, जैसे पैसे का प्रबंधन और

गणना करना, सामान खरीदना, कतार में प्रतीक्षा करते समय धैर्य विकसित करना। अपनी खरीदी गई वस्तुओं की जिम्मेदारी लेना तथा अपने साथियों द्वारा खरीदी गई वस्तुओं पर चर्चा करना भी सीखने का हिस्सा रहा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक उत्पादक वातावरण तैयार करना है, ताकि विद्यार्थी अपने सहपाठियों के साथ बातचीत कर समूह शिक्षण में रचनात्मक रूप से भाग ले सकें। कार्यक्रम में प्रिंसिपल निवेदिता राणा वाइस प्रिंसिपल और कोऑर्डिनेटर द्वारा के.डी.बी. शॉपिंग प्लाजा का उद्घाटन किया गया। प्लाजा में पॉप कॉर्न, छात्रों की स्टेशनरी, बच्चों की मिठाइयां और टैटू बनाने सहित विभिन्न स्टॉल लगाए गए। विद्यार्थियों ने इस आयोजन का दिन का भरपूर आनंद उठाया और इसके पुनः आयोजित होने की प्रतीक्षा की।

बैंक से बंधक मकान छुड़वाने के लिए की 50 लाख की धोखाधड़ी

रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करने के बावजूद रजिस्ट्री करने से किया इनकार

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। आजकल लोग धोखाधड़ी करने के लिए नए-नए तरीके ढूंढरहे हैं, ऐसा ही एक मामला गत दिनों पूर्व देखने को मिला, जब थाना सिहानी गेट में कुलदीप गर्ग पुत्र शिव कुमार निवासी मकान नंबर 6 सोहनलाल स्ट्रीट दिल्ली गेट गाजियाबाद एवं संगीता गर्ग पत्नी कुलदीप गर्ग ने प्रार्थना पत्र दिया। जिसमें आरोप लगाया कि श्रीमती बीना सोनी, अशोक कुमार वर्मा, अमित सोनी, अनूप सोनी, निवासी बी-158, लोहिया नगर, थाना सिहानी गेट निवासी पर बैंक में बंधक रखें मकान की एवज में 50 लाख की धोखाधड़ी का आरोप लगाया। पीड़ित ने बताया की लोहिया नगर स्थित मकान संख्या बी-158 का एक करोड़ 5 लाख में सौदा हुआ था, जिसका रजिस्टर्ड एग्रीमेंट 50 लाख का हुआ था, लेकिन बाद में मकान को बैंक से छुड़ाने के बाद मकान मालिक ने मकान की रजिस्ट्री करने से इनकार कर दिया और अब धमकी दे रहा है। इस संबंध में पीड़ित ने थाना सिहानी गेट में एफआईआर दर्ज कराई है, पुलिस का कहना की पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है उसके बाद दोषियों पर कार्यवाही की जाएगी।

पूर्व सैनिक जन कल्याण समिति द्वारा चेयरमैन सहित सभी सभासदों को किया गया सम्मानित

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। पालिका परिषद मोदीनगर के सभागार में पूर्व सैनिक जनकल्याण समिति के पदाधिकारियों द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन करते हुए नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद वैशाली व अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्र सहित सभी पालिका वार्ड सदस्यों को किया सम्मानित। शुक्रवार को सैनिक जन कल्याण समिति पदाधिकारियों द्वारा सैनिक भवन बनाए जाने की घोषणा पालिका अधिकारियों द्वारा कर दिए जाने की खुशी में पालिका परिषद के चेयरमैन व अधिशासी अधिकारी सहित सभी वार्ड सभासदगणों को माला पहनाने के पश्चात मुमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह कार्यक्रम का मंच का संचालन करते हुए संस्था के संयोजक लक्ष्मण सिंह राठी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी पूर्व सैनिक भविष्य में भी शहर व क्षेत्र के कार्यों में सदैव सकारात्मक भूमि निभाते रहेंगे। अध्यक्ष ब्लैक कैट कमांडो सूबेदार मनोज शर्मा ने भी सभी को धन्यवाद देते हुए सभी पूर्व सैनिकों से एकजुट होकर एक मंच पर रहते हुए कार्य करने की अपील की। संस्था द्वारा सीएसडी कैंटीन मोदीनगर में उपलब्ध कराने के लिए कुछ समय पहले सांसद महोदय को ज्ञापन दिया गया था जिसमें उन्होंने कहा था कि पहले भूमि का आवंटन कराइए इसी कड़ी में आज आज नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कुमार वैशाली जी ने आवंटन की मांग स्वीकार करते हुए कहा कि सीएसडी कैंटीन के लिए भूमि नगर पालिका परिषद द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर संगठन अध्यक्ष मनोज शर्मा पूर्व ब्लैक कैट कमांडो, लक्ष्मण सिंह राठी, ऋषि पाल यादव, रोहतास सिंह, सतेंद्र सिंह, विक्रांत राणा, सोमपाल कश्यप, ललित तेवतिया, जेएस तेवतिया, महेश शर्मा, विनोद गुप्ता, सुनील शर्मा, ऐपी गुप्ता, जितेंद्र चौधरी, ओमपाल तेवतिया, योगराज सिंह, जगत सिंह आदि मौके पर उपस्थित रहे।

'नींव द स्कूल' प्रबंधकों ने छात्र-छात्राओं को दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों का कराया भ्रमण

हिन्द आत्मा संवाददाता

मोदीनगर। सीकरी कलां स्थित नींव द स्कूल द्वारा छात्र-छात्राओं के लिए दिल्ली भ्रमण आयोजन किया गया। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने दिल्ली में सैकड़ो वर्ष पूर्व बनाई गई ऐतिहासिक इमारतों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

नींव द स्कूल कक्षा अध्यापकों के निर्देशन में छात्र-छात्राओं ने दिल्ली में लोटस टेंपल, लाल किला एवं इंडिया गेट इमारतों का भ्रमण करने के अलावा भिन्न-भिन्न स्थान के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। मालूम हो कि इस तरह के टूर बच्चों के लिए मनोरंजन एवं ज्ञान दोनों का ही साधन होते हैं। सभी छात्र-छात्राओं ने स्कूल द्वारा कराए गए इस टूर का भरपूर आनंद उठाते हुए नींव द स्कूल प्रबंधक अमित अग्रवाल द्वारा भ्रमण के दौरान कराई गयी व्यवस्था की जमकर तारीफ की।

पालिका चेयरमैन द्वारा पालिका सभागार में अंतर्राष्ट्रीय खो खो वर्ल्ड कप प्रतियोगिता के प्रोटोकॉल प्रभारी डॉ. अरुण त्यागी को किया सम्मानित

हिन्द आत्मा संवाददाता

मोदीनगर। नगर पालिका परिषद् मोदीनगर चेयरमैन विनोद वैशाली द्वारा पालिका सभागार में कार्यक्रम आयोजित कर डॉ० अरुण त्यागी (निदेशक प्रधानाचार्य छाया पब्लिक स्कूल) को दिल्ली में हुई अंतर्राष्ट्रीय खो-खो वर्ल्ड कप 2025 प्रतियोगिता का प्रोटोकॉल समिति प्रभारी बनाये जाने पर और उनके सफल दिशा-निर्देशन में भारतीय महिला व पुरुष विश्व चैंपियन बनने पर उन्हें स्मृति चिन्ह व शाल भेट कर सम्मानित किया गया। शुक्रवार को पालिका में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान मौके पर मौजूद रहे मुख्य लोगों में पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली सहित पूर्व सैनिक जन कल्याण समिति के सदस्यों के अलावा नरेन्द्र मोहन मिश्र अधिशासी अधिकारी, अंकित चौधरी कर अधीक्षक, दिनेश कुमार एसएफआई एवं सभासद संघर्ष समिति

के अध्यक्ष वेद प्रकाश (सभासद वार्ड न० 27) के साथ समस्त सम्मानित सभासदों का फूल माला पहना कर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर पूर्व सैनिकों में मुख्यतः पूर्व सैनिक जन कल्याण समिति अध्यक्ष मनोज शर्मा (ब्लैक कैट कमांडो), मुरली त्यागी, बिजेंद्र सिंह (सूबेदार), चमन लाल (सूबेदार) रोहताश (सूबेदार) महेश शर्मा(सूबेदार), ऋषिपाल (सूबेदार) सोमपाल (कैप्टन) सतेन्द्र चौधरी, वी एस तेवतिया (कैप्टन) ललित तेवतिया (कमांडो) ओमपाल सिंह (सूबेदार) जगत सिंह (सूबेदार) वीपी सिंह (सार्जेंट) चमन सिंह (सूबेदार) सहित सभी पालिका सभासद भी मौके पर मौजूद रहे।

गाज़ियाबाद एनसीसी ग्रुप ने उत्तर प्रदेश एनसीसी डायरेक्ट्रेट के सभी ग्रुप में प्राप्त किया सर्वोच्च स्थान

युवाओं का चरित्र निर्माण कर उन्हें अच्छे नागरिक बनाना है : अपर महानिदेशक एनसीसी मेजर जनरल विक्रम कुमार

हिन्द आत्मा संवाददाता

मोदीनगर। गाज़ियाबद ग्रुप के तत्वाधान मे वर्ष 2024 में आयोजित प्रतियोगिताओं के आधार पर गाजियाबाद एनसीसी ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर कुलविंदर सिंह (सैना मेडल) के निर्देशन में भेजे गये विभिन्न कैडेट टीम ने उत्तर प्रदेश निदेशालय स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि में ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर कुलविंद्र सिं(एस एम) ने एनसीसी निदेशालय बैनर को गणतंत्र दिवस परेड के उपरांत राज्य भवन में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने हाथों से ग्रहण किया।

एनसीसी ग्रुप गाज़ियाबाद द्वारा निदेशालय बैनर प्राप्त करना गाज़ियाबाद ग्रुप के सभी ऑफि सर्स, एएनओ, जेसीओ, पीआई स्टाफ एवं एनसीसी कैडेट्स के लिए बहुत ही गर्व

की बात है। इसी के अनुक्रम में शुक्रवार को अपर महानिदेशक एनसीसी डायरेक्टोरेट उत्तर प्रदेश, मेजर जनरल विक्रम कुमार ने गाज़ियाबाद ग्रुप मुख्यालय पहुंचकर सभी को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन कर अपने ग्रुप के साथ साथ अपने प्रदेश का नाम रोशन करने हेतु प्रेरित किया। अपर महानिदेशक ने 35 यूपी वाहिनी एनसीसी मोदीनगर का निरीक्षण भी किया और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा ऑगेनाईजेशन की मजबूती के लिए एन सी सी के ध्येय एकता एवं अनुशासन के दृष्टिगत अपने कर्तव्यों का पालन करने हेतु अपने संकल्प को दोहराया। इस दौरान वाहिनी व्यवस्थाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए जरनल कुमार ने बताया कि एन सी सी समाज और राष्ट्र निर्माण में भावी योगदान देने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इससे पूर्व वाहिनी के कमान अधिकारी कर्नल पीके सिंह ने अपर महानिदेशक की अगवानी की और एनसीसी कैडेट्स ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मोदी कॉलेज के एनसीसी अधिकारी प्रवीण जैनर ने बताया कि ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर कुलविंदर सिंह (एस एम) ने सभी कैडेट्स को एक अच्छे नागरिक बन राष्ट्र के विकास में योगदान देने हेतु प्रेरित किया और भविष्य में ओर बेहतर प्रदर्शन कर उत्तर प्रदेश निदेशालय को गौरान्वित करने हेतु अग्रिम शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वाहिनी के समस्त ऑफि सर्स एवं संबंधित स्टाफ उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

अमेरिका का रवैया...

अमेरिका अक्सर दुनिया भर में मानवाधिकारों, नैतिक और मानवीय मूल्यों पर आधारित नीति की वकालत करता रहा है। यह अलग बात है कि व्यवहार में कई बार वह खुद ऐसे कठघरे में खड़ा दिखता है, जो उसकी घोषित प्रतिबद्धताओं से उलट होने का संकेत देता है। अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासियों की पहचान और उन्हें उनके देश भेजने के मसले पर वह अपने पक्ष को सही बता सकता है, लेकिन इस पर अमल के जैसे तौर-तरीके सामने आए हैं, उससे दुनिया भर में हैरानी और चिंता का भाव है। गौरतलब है कि अमेरिका में कथित तौर पर वैध दस्तावेजों के बिना रह रहे सौ से ज्यादा भारतीय प्रवासियों को लेकर अमेरिकी सेना का एक विमान भारत पहुंच चुका है। गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में रहने वाले लोगों को नियमों के मुताबिक वापस भेजना अमेरिका का नीतिगत फैसला हो सकता है, लेकिन इस क्रम में ऐसे लोगों को अपराधियों के समकक्ष मान कर उनके साथ वैसा ही व्यवहार करने को किस तर्क पर सही कहा जा सकता है? ऐसी तस्वीरें सामने आईं, जिनमें अवैध प्रवासी भारतीय लोगों को बेड़ियां और हथकड़ी बांध कर सेना के एक विमान से भेजा गया। इस क्रम में लौटने के बाद कुछ लोगों ने अपना दुख जाहिर किया कि उन्हें कैदियों या अपराधियों की तरह लाया गया और यात्रा के दौरान जानबूझ कर तकलीफदेह हालात का सामना करने पर मजबूर किया गया।

अफसोस की बात है कि तमाम सवालों को ताक पर रख कर अमेरिकी प्रशासन ने इस मुद्दे पर जैसा रवैया अपनाया है, उससे डोनाल्ड ट्रंप के इस दूसरे कार्यकाल में नीतिगत मसलों पर अमल के भावी तौर-तरीकों के बारे में संकेत मिलता है। अगर उचित दस्तावेजों के बिना अमेरिका में रह रहे लोगों को भारत वापस भेजना अनिवार्य है, तो उनके साथ पेशेवर अपराधियों की गिरफ्तारी की तरह का बर्ताव किए जाने को कैसे उचित ठहराया जाएगा? स्वाभाविक ही इस रवैये की खुद अमेरिका में भी तीखी आलोचना हुई है। वहीं भारत में विपक्ष ने यह सवाल उठाया है कि अमेरिका से भेजे गए प्रवासियों के साथ जैसा बर्ताव किया गया है, उस पर सरकार की ओर से कोई ठोस आपत्ति क्यों नहीं दर्ज की गई या कोई व्यावहारिक हल क्यों नहीं निकाला गया? एक ओर भारतीयों को कैदियों की तरह भेजे जाने पर सरकार की चुप्पी बनी रही, दूसरी ओर ट्रंप ने जब कोलंबिया के अवैध प्रवासियों को वापस भेजने की घोषणा की, तो वहां के राष्ट्रपति ने अपने नागरिकों की गरिमा को बरकरार रखने के लिए वायुसेना के दो विमान उन्हें लाने के लिए भेजे। ऐसा नहीं है कि अमेरिका से कोई पहली बार अवैध प्रवासियों को वापस भेजा गया है। मगर डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद अवैध प्रवासियों सहित कुछ अन्य मुद्दों पर अमेरिकी प्रशासन का जैसा रवैया दिख रहा है, उसका औचित्य समझ से परे है। क्या इस बात की संभावना नहीं है कि बहुत सारे भारतीय वहां काम करने के परमिट के साथ गए होंगे, लेकिन उसकी अवधि खत्म हो जाने के बाद वे अवैध प्रवासियों की श्रेणी में आ गए? कामकाज के दौरान उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी अपना योगदान दिया होगा। अगर वैसे लोग भी अवैध प्रवासी के रूप में चिह्नित कर लिए गए हों तो उनके साथ कैसे व्यवहार की अपेक्षा की जानी चाहिए?

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक अशोक कौशिक द्वारा फाल्गुन बुक्स एंड प्रिन्टर्स, ए-1/185 स्वदेशी कॉम्पलैक्स, कविनगर इंडस्ट्रीयल एरिया, गाजियाबाद- 201001 से छपवाकर 308 अंसल सुमैधा बिल्डिंग, आर.डी.सी. राजनगर गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक	:	**अशोक कौशिक**
समाचार सम्पादक	:	**राकेश शर्मा**
कानूनी सलाहकार	:	राजकुमार शर्मा, प्रदीप त्यागी, विकास त्यागी
मो.	:	9810149213
फोन	:	0120-4113213
E-mail	:	hindatma@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गाजियाबाद होगा।

धनाढ्यों के विदेश पलायन पर प्रदर्शन क्यों नहीं?

ललित गर्ग

डॉनल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद सौ से अधिक अवैध भारतीयों के पहले बैच को अपराधियों की तरह अपमानजनक तरीके से भारत भेजा गया है। सितम्बर-2024 तक सालभर में अवैध रूप से अमेरिका जाने की कोशिश में 90 हजार से अधिक लोग पकडे.गये थे। ये लोग अपनी जीवनभर की कमाई एवं पूंजी को दांव पर लगाकर अमेरिका जैसे देशों में जाने के वैध एवं अवैध तरीके अपनाते हैं, इनका इस तरह देश छोड़कर जाने का कारण समझ में आता है, लेकिन धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का बढ़ता सिलसिला समझ से परे हैं। ऐसे क्या कारण है कि लोगों को देश की बजाय विदेश की धरती रहने, जीने, व्यापार करने, शिक्षा एवं रोजगार के लिये अधिक सुविधाजनक लगती है, नये बनते भारत के लिये यह चिन्तन-मंथन का कारण बनना चाहिए। संसद परिसर में अमेरिका से लौटे अवैध भारतीयों के स्वदेश लौटने की विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों को लेकर व्यापक प्रदर्शन हुए, लेकिन क्या इन बुद्धिमान विपक्षी दलों के सांसदों को कभी धनाढ्यों के भारत छोड़कर जाने एवं इस तरह भारत का अपमान करने की स्थितियों पर भी प्रदर्शन नहीं करना चाहिए?

'हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट' के अनुसार पिछले दो साल से ऐसे लोगों की संख्या औसतन 5,000 रही है। इन अमीरों को आप कभी शिकायत करते नहीं सुनेंगे। ये इतने स्मार्ट हैं कि बिना हौ-हल्ला किये विदेश में जाकर बस जाते हैं। तथ्य यह है कि इनके पास ह्यसरप्लसह्व है, और ये भारत में निवेश करने की जगह विदेश का रुख कर रहे हैं। इनमें से कई इसलिए देश छोड़ रहे हैं क्योंकि विदेश में सुरक्षा है और गुमनाम रहने की सुविधा है। इनसे भी जो ज्यादा अमीर हैं, ऐसे करोड़पति, अरबपति और खासकर डॉलर अरबपति कमाई तो भारत में करते हैं और जीते अमेरिका जैसे देशों में है। 'फोर्ब्स' के आंकड़ों के अनुसार ये केवल 200 हैं। करोड़पति अगर चुपचाप देश से जा रहे हैं, तो अरबपति विदेश की धरती से तेज आवाज में सरकार की तारीफ कर रहे हैं और इस तरह के मंत्रों का जाप कर रहे हैं कि 'हमारी अर्थव्यवस्था जल्द ही सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है', कि यह 'दुनिया में सबसे तेजी से वृद्धि दर्ज करा रही विशाल अर्थव्यवस्था है'। प्रश्न है कि इन समृद्ध लोगों का देश की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने में क्या योगदान है? उनका भारत से पलायन क्यों हो रहा है? सरकार इन पर क्या कदम उठा रही है? विपक्षी दल क्यों मौन धारण किये हुए है?

क्या कारण है कि जन्मभूमि को जननी समझने वाला भारतवासी आज अपनी समृद्धि को भोगने या अपनी प्रतिभा का विदेश की चकाचौंध भरी धरती पर उपयोग करने, उन्हें लाभ पहुंचाने विदेश की ओर भागता है और वहां जाकर सम्पन्न एवं भोगवादी जीवन जीने लगता है? क्या कारण है कि शस्य श्यामला भारत भूमि पर अपनी समृद्धि से विकास के नये क्षितिज उद्घाटित करने या अपनी प्रतिभा से देश को लाभान्वित करने की बजाय विदेश की धरती को लाभ पहुंचाते हैं। बड़ा सवाल यह भी उठना स्वाभाविक है कि आखिर क्या कमी है हमारे यहां? यह बात सही है कि गांव से कस्बे, कस्बे से शहर और शहरों से महानगरों में जाकर बसने की मानवीय प्रवृत्ति होती है। इसे विकास से भी जोड़ा जा सकता है। लेकिन जब यह दौड़ बहुत ज्यादा होने लगे और लोग अपनी जड़ें ही छोड़ने को आकुल दिखें तो सोचना जरूरी हो जाता है। मुम्बई, दिल्ली, बेंगलूरु जैसे महानगर दुनिया के दूसरे महानगरों को टक्कर देने वाले हैं। फिर भी अगर ये भारतीय विदेशी महानगरों को ही चुन रहे हैं, तो तमाम पहलुओं पर विचार भी करना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि यह दौड़ भारतीय महानगरों से विदेशी महानगरों की तरफ ही है। विदेश में बसने की यह दौड ऐसे समय देखने को मिल रही है जब देश में विकास के नये कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं, जीवनशैली उन्नत एवं सुविधापूर्ण होती जा रही है, व्यापार एवं व्यवसाय की संभावनाओं को पंख लग रहे हैं। भारत दुनिया में साख एवं धाक जमा रहा है। दुनिया की नजरें भारत पर लगी है और यहां अनंत संभावनाओं को देखते हुए विदेशी भारत आ रहे हैं। फिर भारतीय विदेशों की ओर क्यों जा रहे हैं।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है। इन उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने अनेक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे।

भारत के अति समृद्धशालियों की संख्या समूचे विश्व में सर्वाधिक है। भारत के दृष्टिकोण से इस तथ्य का विश्लेषण ज्यादा जरूरी हो जाता है। जानना यह भी जरूरी है कि बचपन से जवानी तक का एक-एक पल देश में गुजारने और यहीं अमीर बनने का सफर तय करने के बाद देश से मोह भंग होने के कारण आखिर क्या हो सकते हैं? उम्मीद यह की जाती है कि देश में रहकर समृद्धि हासिल करने वाले समय आने पर देश को लौटाएंगे भी। सवाल यही है कि देश को लौटाने और फायदा देने का वक्त आता है तब एकाएक विदेश में जाकर बसने की ललक कैसे और क्यों पैदा हो रही है? अपने देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने के समय इस तरह की पलायनवादी सोच का उभरना व्यक्तिगत स्वार्थ, सुविधा एवं संकीर्णता को दशार्ता है। दुनियाभर में धन और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब-कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है।

कोटा से मिटाने होंगे आत्महत्याओं के दाग

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान का कोटा शहर जितना शैक्षणिक संस्थाओं के लिए प्रसिद्ध है। अब उतना ही यहां के कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं के कारण देश भर में बदनाम हो रहा है। हालांकि कोटा में छात्र आत्महत्याओं के मामले यहां पर कोचिंग लेने वाले छात्रों की संख्या की तुलना में बहुत कम है। मगर यहां पढ़ने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्याओं की दुखद घटनाओं को भी नकारा नहीं जा सकता है। पिछले जनवरी माह में ही कोटा में 6 विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। इसी साल 8 जनवरी को हरियाणा के महेंद्रगढ़ निवासी छात्र नीरज, 9 जनवरी को गुना मध्य प्रदेश के अभिषेक लोधा, 15 जनवरी को उड़ीसा के अभिजीत गिरी, 18 जनवरी को बूंदी जिले के मनन जैन, 22 जनवरी को अहमदाबाद गुजरात की अफ्शा शेख और 22 जनवरी को ही नौगांव असम के छात्र पराग ने आत्महत्या कर ली थी। इनमें से पांच छात्र इंजीनियरिंग की व एक छात्रा नीट की तैयारी कर रही थी। कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही है। कोटा में 2015 से लेकर अब तक 138 छात्रों ने आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं। यहां 2015 में 18, 2016 में 17, 2017 में 7, 2018 में 20, 2019 में 18, 2020 में 4, 2021 में एक, 2022 में 15, 2023 में 26, 2024 में 16 व 2025 में अब तक छह छात्र आत्महत्या कर अपनी जान गंवा चुके हैं। 2020 व 2021 में कोविड के चलते यहां के कोचिंग संस्थाओं के बंद रहने के कारण आत्महत्याओं के आंकड़ों में गिरावट रही थी। कोटा में कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या की घटनाओं से पूरा देश सकते में है। सरकार व प्रशासन द्वारा लाख प्रयासों के उपरांत भी कोटा के छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं नहीं रूक पा रही है।

कोटा कभी राजस्थान का बड़ा औद्योगिक नगर होता था। मगर श्रमिक आंदोलनो के चलते यहां के उद्योग धंधे बंद होते गए। आज कोटा में नाम मात्र के ही उद्योग रह गए हैं। 1990 के दौरान कोटा शहर में कोचिंग संस्थान खुलने लगे थे। 2005 तक यहां बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान स्थापित हो गए जिनमें प्रतिवर्ष लाखों छात्र पढ़ने लगे। आज कोटा शहर की पूरी अर्थव्यवस्था इन कोचिंग संस्थानों पर ही निर्भर है। शहर के हर चौक-चौराहों पर छात्रों की सफलता से अटे पड़े बड़े-बड़े होर्डिंग्स बताते हैं कि अब कोटा में कोचिंग ही सब कुछ है। यह सही है कि कोटा में सफलता की दर तीस प्रतिशत से उपर रहती है। देश के इंजीनियरिंग और मेडिकल के प्रतियोगी परीक्षाओं में टाप टेन में पांच छात्र कोटा के रहते हैं। मगर उसके साथ ही कोटा में एक बड़ी संख्या उन छात्रों की भी है जो असफल हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कोटा के कोचिंग मार्केट का सालाना आठ से दस हजार करोड़ का टर्नओवर है। कोचिंग सेन्टरों द्वारा सरकार को सालाना 800 करोड़ रुपए से अधिक टैक्स के तौर पर दिया जाता है।

कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। मगर देश की शीर्षस्थ मेडिकल व इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित होने वाले छात्रों में कोटा के छात्रों की संख्या काफी होती है। इसी कारण अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं। कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने का मुख्य कारण छात्रों पर पढ़ाई करने के लिए पड़ने वाला मनोवैज्ञानिक दबाव को माना जा रहा है। कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बहुत से छात्रों के अभिभावकों की स्थिति इतना खर्च वहन करने की नहीं होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों में अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवारों से होते हैं। उनके अभिभावक आर्थिक रूप से अधिक सक्षम नहीं होते हैं। अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए वह लोग विभिन्न स्तरों पर पैसों की व्यवस्था कर बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं। कोटा आने वाले छात्रों को पता है कि उनके अभिभावकों ने कितनी मुश्किल से कोचिंग लेने के लिए उन्हें कोटा भेजा है। ऐसे में यदि वह सफल नहीं होंगे तो उनके अभिभावक जिंदगी भर कर्ज में दबे रह जाएंगे। यही सोचकर छात्र हमेशा मनोवैज्ञानिक दबाव महसूस करता रहता है। इसके अलावा यहां पढ़ने वाले छात्रों पर पढ़ाई का भी बहुत अधिक दबाव रहता है। यहां के कोचिंग संस्थानो में कई शिफ्टों में अलग-अलग बैच में पढ़ाई होती हैं। कोचिंग संस्थान भी अच्छा परिणाम दिखाने के चक्कर में छात्रों को मशीन बनाकर रख देते हैं। छात्रों पर हर दिन पढ़ाई का दबाव बना रहता है तथा साप्ताहिक टेस्ट पास करने के चक्कर में छात्र दिन-रात पढ़ाई करते रहतें हैं। जिससे ना तो उनकी नींद पूरी हो पाती है ना ही वह मानसिक रूप से आराम कर पाते हैं। ऐसे में छात्र जल्दी उठकर कोचिंग संस्थान में जाकर पढ़ाई करने व दिनभर पढ़ाई में व्यस्त रहने के कारण वह तनाव में आ जाता है। इससे कई छात्र पढ़ाई में पिछड़ने के डर से आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं।

कोटा में देश के तमाम नामी गिरामी संस्थानों से लेकर छोटे-मोटे 300 कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। दिल्ली, मुंबई के साथ ही कई विदेशी कोचिंग संस्थाएं भी कोटा में अपना सेंटर खोल रही हैं। लगभग ढ़ाई लाख छात्र इन संस्थानों से कोचिंग ले रहे हैं। कोटा में सफलता की बड़ी वजह यहां के शिक्षक हैं। आईआईटी और एम्स जैसे इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में पढने वाले छात्र बड़ी-बड़ी कम्पनियों और अस्पतालों की नौकरियां छोडकर यहां के कोचिंग संस्थाओं में पढ़ा रहे हैं।

गोवंश के अवशेष फेंकने वाले दो तस्करों और पुलिस के बीच मुठभेड़, पैर में गोली लगने से आरोपी घायल

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र में करीब 20 दिन पहले गोवंश के अवशेष फेंकने वाले दो तस्करों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में बाइक सवार तस्कर के पैर में गोली लगी है, जिससे वह घायल हो गया। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने गोकशी की घटना से संबंधित अवैध शस्त्र, छुरा और रस्सी बरामद की है। मुठभेड़ में गिरफ्तार तस्कर साजिद उर्फ सदुआ पुत्र बाबू निवासी उझारी थाना सैदनगली जनपद अमरोहा का रहने वाला है। वह अभी हाल पता पीली पट्टी जनता कॉलोनी थाना वेलकम जाफराबाद दिल्ली में रह रहा है। साजिद के ऊपर गोकशी के मामले में 25000 का इनामी रह चुका है। वहीं, दूसरा बज्जू उर्फ अज्जू उर्फ वजाहत पुत्र बाबू कुरैशी निवासी ढक्का थाना सैदनगली का रहने वाला है। गोकशी के मामले में उस पर 1500 रुपये का इनाम रह चुका है। दोनों तस्कर पैर में गोली लगने से घायल हुऐ हैं। आरोपियों ने एनसीआर क्षेत्र से होंडा सिटी में गाय चोरी कर दिल्ली में काटकर उनके अवशेषों को थाना ट्रॉनिका सिटी क्षेत्र में सड़क किनारे सीवर के गड्ढे में दो प्लास्टिक के कट्टे में भरकर फेंका था। मुठभेड़ में घायल गिरफ्तार अभियुक्तों पर गैंगस्टर सहित गोकशी, चोरी, हत्या का प्रयास और शस्त्र अधिनियम आदि के 24 से अधिक मामले दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, संभल, अमरोहा व अन्य शहरों में दर्ज हैं।

पॉलीथीन के गोदाम में लगी भीषण आग, दमकल की दो गाड़ियों ने नौ घंटे में पाया काबू

गाजियाबाद। मुरादनगर थाना क्षेत्र के डिड़ौली गांव में शहजादपुर मार्ग स्थित एक प्लॉट में बने पॉलीथीन के कबाड़ के गोदाम में गुरुवार देर शाम लगी आग शुक्रवार सुबह फिर भड़क गई। आग ने कुछ ही देर में रौद्र रूप ले लिया। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने दो गाड़ियों की मदद से लगभग नौ घंटे की मश्क्कत के बाद आग पर काबू किया। शहजादपुर मार्ग स्थित एक प्लॉट की चाहरदीवारी कर उसमे पॉलीथीन के कबाड़ का गोदाम बनाया हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, गुरुवार देर शाम पॉलीथीन के कबाड़ से धुंआ उठने लगा। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी गोदाम पर काम करने वाले मजदूरों को दी। मुरादनगर पुलिस और दकमल की दो गाड़ी मौके पहुंची लगभग तीन घंटे के प्रयास के बाद आग को काबू किया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन संख्या- सी-1036, ई.डब्लू.एस. नन्दग्राम, गाजियाबाद का आवंटन प्राधिकरण से श्री अजय कुमार बक्सी पुत्र श्री वैजनाथ बक्सी को हुआ है। इनके द्वारा श्रीमती उषा देवी पत्नी श्री बाबूराम को मुख्त्यारेआम नियुक्त किया गया है। मुख्त्यारेआम के माध्यम से मूल आवंटी के पक्ष में दिनांक 23.05.2017 को लीजडीड निष्पादित करा दी गयी। मुख्त्यारेआम श्रीमती उषा देवी द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री राजनारायण चौहान पुत्र श्री रामाधार चौहान के पक्ष में दिनांक 01.02.2018 को कर दिया गया। अब श्री राजनारायण चौहान उक्त भवन के अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराना चाहते हैं। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 20 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में श्री अजय कुमार बक्सी पुत्र श्री वैजनाथ बक्सी के स्थान पर श्री राजनारायण चौहान पुत्र श्री रामाधार चौहान का नाम दर्ज कर लिया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

Name Change

I HAVE changed my name from Ratan Singh Kardam to Ratan Singh S/o Late Bishambar Singh, R/o H.No-253, Gali No 3, Sarvodaya Nagar, Ghaziabad-201001, for all future purposes.

Name Change

I HAVE changed my name from Aakansha Kardam to Akansha Kardam D/o Ratan Singh, R/o H.No-253, Gali No 3, Sarvodaya Nagar, Ghaziabad-201001, for all future purposes.

Office of the Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Loni

Address:- Khanna Nagar, Loni, Ghaziabad

Advertisement

Letter No- 1672/N.P.P.Loni/EOI/2022-23 Dated:-04-02-2025

The Nagar Palika Parishad, Loni, Ghaziabad invites Expression of Intrest (EOI) from experience and reputed profile for Installation of Compressed Bio-Gas (CBG) Plant (Production for CNG), in Meerpur Hindu to disposal of dairy Waste. Interested parties may submit their technical and financial profile on or before along with Bank Draft/R.T.G.S. (Non Refundable) in favour of Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Loni (Ghaziabad) of Prescribed format.

EOI Publishing Date	05/02/2025
Pre Bid Meeting	17-02-2025
Reply of EQI Queries	21-02-205
EOI Submission Date	27-02-2024
EOI Opening Date	28-02-2024
Date (s) for presentation by shortlisted Bidders	Announced after evaluation of EOI documents
Processing Fee (EOI)	Rs 10,000.00

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, लोनी
(गाजियाबाद)

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, लोनी
(गाजियाबाद)

महाकुम्भ के दिव्य अवसर पर प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता राजकुमार राव, अभिनेत्री पत्रलेखा, योगाचार्य इरा त्रिवेदी, प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और निमार्ता मधुर भंडारकर, मेदांता - द मेडिसिटी, गुरुग्राम के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. नरेश त्रेहन, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मधु त्रेहन और डा संदीप देसाई का परमार्थ निकेतन शिविर, प्रयागराज में आगमन

भक्ति की शक्ति का अनुपम दृश्य: स्वामी चिदानन्द सरस्वती

हिन्द आत्मा संवाददाता

प्रयागराज। महाकुम्भ, भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक इतिहास का एक अभिन्न अंग है। महाकुम्भ, मानवता की शाश्वत शक्ति और अद्वितीयता के दर्शन करता है। महाकुम्भ करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, भारतीय धर्म और संस्कृति का प्रतीक है। महाकुम्भ की दिव्य धरती सीमाओं से पार सभी श्रद्धालु को अपनी ओर खींचती है और उन्हें एक गहरे आध्यात्मिक अनुभव से साक्षात्कार कराती है। महाकुम्भ न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक विविधता और समृद्धता का प्रमाण है। यहां हर जाति, पंथ और धर्म का व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ एकत्रित होता है। यह संगम का प्रतीक है, जहां न केवल नदियाँ मिलती हैं, बल्कि संस्कृतियाँ, विश्वास और जीवन के मूल्य भी एक साथ मिलते हैं। महाकुम्भ की ऊर्जा का प्रवाह अद्भुत है, जो न केवल मनुष्य के हृदय को आकर्षित करता है, बल्कि उसे आत्मिक शांति और परम सत्य की ओर अग्रसर करता है। महाकुम्भ की भूमि पर जो ऊर्जा का प्रवाह हो रहा है, वह शब्दों से परे है। यह ऊर्जा, नदियों के संगम से लेकर लाखों भक्तों की एकजुटता और उनकी भक्ति से उत्पन्न होती है। हर एक डुबकी, हर एक मंत्र और हर एक भजन के साथ एक अद्वितीय अनुभव होता है, जो श्रद्धालुओं को आत्मा के गहरे संसार में ले जाता है। यह वह अद्भुत प्रवाह है, जो न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक स्तर पर भी श्रद्धालुओं को सशक्त करता है। महाकुम्भ की दिव्य धरा पर प्रवेश करते ही यहां का वातावरण कुछ खास होता है। यहां की शांति, नदी की लहरें और भक्तों की सामूहिक आवाज में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार होता है, जो श्रद्धालुओं को अतीत, वर्तमान और भविष्य के एक अद्वितीय तारतम्य का अनुभव कराती है। यह वही ऊर्जा है, जो व्यक्ति को अपने असली स्वरूप की ओर मार्गदर्शित करती है और जीवन के मूल उद्देश्य की ओर अग्रसर करती है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने आज देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये अतिथियों का अभिनन्दन करते हुये महाकुम्भ की इस अद्वितीय ऊर्जा को समझाते हुए कहा कि यह हमारे समाज के संस्कृतिपूर्ण पुनर्निर्माण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। यह जीवन के हर पहलू को समाहित करने वाली एक शक्ति है, जो दुनिया भर से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है। महाकुम्भ हमें भक्ति की शक्ति के अनुपम दृश्य प्रत्यक्ष दर्शन करा रहा है। यहां हर व्यक्ति अपनी आस्था, श्रद्धा और भक्ति के साथ सहभाग कर रहा है। महाकुम्भ की दिव्य धरती पर होने वाली भक्ति और ऊर्जा का प्रवाह किसी दिव्यता से कम नहीं है। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता राजकुमार राव, अभिनेत्री पत्रलेखा, योगाचार्य इरा त्रिवेदी, प्रसिद्ध ने साध्वी भगवती सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में संगम में डुबकी लगायी तत्पश्चात गंगा जी की आरती में सहभाग किया। साध्वी जी ने सभी अतिथियों को रूद्राक्ष का पौधा भेंट कर उनका अभिनन्दन किया।

श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर में पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज से आशीर्वाद लिया

विधायक संजीव शर्मा ने भी शिविर में पूजा-अर्चना की

हिन्द आत्मा संवाददाता

प्रयागराज। श्री दूधेश्वर नाथ महादेव मठ मंदिर द्वारा सेक्टर 20 संगम लोअर मार्ग पर शास्त्री ब्रिज के नीचे कुंभ मेला क्षेत्र में लगाए गए श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर में शुक्रवार को विधायक संजीव शर्मा ने पूजन किया। देश-विदेश से हजारों भक्त शिविर में पहुंचे और श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज से भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया। विधायक संजीव शर्मा 25 कारों के काफिले के साथ गुरूवार की रात्रि शिविर में पहुंचे और भोजन प्रसाद ग्रहण कर रात्रि विश्राम किया। शुक्रवार की प्रातः उन्होंने संगम में स्नान कर शिविर में पूजन किया और महाराजश्री का आशीर्वाद लिया। आंध प्रदेश से उन्नी कृष्णम, किशोर सिंह राज पुरोहित सुधाकर समेत देश-विदेश से आए हजारों भक्तों ने भी गगा स्नान, गंगा पूजन, वेणी माधव पूजन के बाद श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर में पूजन किया व महाराजश्री से भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। शिविर में चल रहे नर सेवा नारायण सेवा के तहत हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रीमहंत नारायण गिरि ने बताया कि बसंत पंचमी के अंतिम अमृत स्नान के बाद अब कढ़ी पकौड़ा भोजन के साथ अखाडों का प्रस्थान शुरू हो गया है। यहां से साधु-संत अब काशी प्रवास करेंगे और होली पर्व तक वहीं प्रवास करेंगे। अखाडों के प्रस्थान के बाद भी भक्तों के अनुरोध पर श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर 12 फरवरी तक लगा रहेगा। देश-विदेश से प्रतिदिन आ रहे हजारों श्रद्धालुं गंगा स्नान के बाद शिविर में पूजन का लाभ भी लेना चाहते हैं। इसी कारण शिविर को 12 फरवरी तक के लिए बढाया गया है।

दिवंगत फोटो जर्नलिस्ट नीलांबर के परिवार को प्रेस क्लब पूर्णिया ने की आर्थिक सहायता

पूर्णिया। पिछले दिनों पूर्णिया के फोटो जर्नलिस्ट नीलांबर यादव की मौत एक घटना में हो गई थी। उसके बाद पत्रकारों में तथा आम जनमानस में काफी दुख का माहौल हो गया था। स्वर्गीय पत्रकार नीलांबर के परिवार के लिए प्रेस क्लब पूर्णिया (इरढर) के सदस्यों ने मिलकर एक सहायता राशि इकट्ठा की और उनकी पत्नी स्वीटी कुमारी को वह प्रथम राशि आज सौंप दी गई। स्वर्गीय नीलांबर जी के परिवार को सहयोग करने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रानिक, युटुब, पोर्टल के कई पत्रकारों ने मिलकर आर्थिक सहायता की। इस सहायता में समाज के कई सामाजिक लोगों, डाक्टरों ने भी मदद किया। इस मदद के लिए वरिष्ठ पत्रकारों ने सभी को धन्यवाद दिया। प्रेस क्लब पूर्णिया तथा श्रमजीवी पत्रकार संघ बिहार के अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह ने कहा कि इसमें प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं अन्य मीडिया के साथियों ने बढ़ चढ़ कर अपनी भागीदारी निभाई और एक गरीब पत्रकार जिसका घर उजड़ गया उनके परिवार को मदद कर एक भावनात्मक मिसाल कायम किया है। उन्होंने बताया कि 104 लोगों ने अपने-अपने हिसाब से आर्थिक सहायता दी। यह आर्थिक सहायता राशि 165850 (एक लाख पैंसठ हजार आठ सौ पचास) रुपए की दी गई। जितने लोगों ने यह राशि प्रदान की उन सभी सम्मानित जनों का लिस्ट भी उनकी स्वर्गीय नीलांबर जी की पत्नी को सौंपा गया। यह राशि स्वर्गीय नीलांबर जी के घर पर जाकर प्रदान की गई। इस खास मौके पर वरिष्ठ पत्रकारों में अरुण कुमार, मनोज कुमार यादव, राजेश शर्मा, मनोहर कुमार, प्रेस क्लब पूर्णिया के कोषाध्यक्ष पंकज नायक, सचिव प्रशांत चौधरी, अभय सिन्हा, जेपी मिश्रा, प्रवीण कुमार, अमित कुमार, मनोज कुमार, विकास कुमार, नागेश्वर कर्ण, संजय कुमार यादव, आकाश कुमार, राकेश कुमार लाल, विनय कुमार यादव, चंद्रजीत कुमार, पारस सोना, सुमित कुमार इत्यादि मौजूद थे। स्वर्गीय नीलांबर जी के परिवार से उनकी पत्नी के अलावा माताजी, भाई, बहन तथा समाज के कई अन्य लोग उपस्थित थे। वरिष्ठ पत्रकार राजीव कुमार, ए.एन. झा, अखिलेश चंद्रा, कुंदन कुमार, भूषण जी, सत्येंद्र सिन्हा, शिवाजी झा, पूजा मिश्रा, प्रफुल्ल झा इत्यादि लगातार अपनी नजर बनाए हुए थे और मदद करने वालों को धन्यवाद दे रहे थे।

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों की ली बैठक

लखनऊ। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि जीरो पावर्टी अभियान के तहत सभी जनपदों से लगभग 13.5 लाख परिवारों को एन्युमरेट किया गया है, जिसमें वेरिफिकेशन के उपरांत 13 लाख 22 हजारों परिवारों का डाटा उपलब्ध है। इस डाटा का एक्सेस मुख्य विकास अधिकारियों (सीडीओ) और खण्ड विकास अधिकारियों (बीडीओ) को दिया गया है। उन्होंने कहा कि चिन्हित परिवारों को एक वर्ष के भीतर घर, कपड़ा, खाना, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सवा लाख रुपये की वार्षिक आय सुनिश्चित कराना है। इन परिवारों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों से प्राथमिकता पर लाभान्वित कराया जाये। उन्होंने कहा कि चिन्हित परिवारों में 11 लाख 10 हजार के पास घर नहीं हैं, इन परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे में शीर्ष प्राथमिकता पर शामिल किया जाये। इसी प्रकार जिन परिवारों को राशन कार्ड, पीएम जन आरोग्य योजना, पीएम किसान सम्मान निधि जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हो रहा है, उन्हें वरीयता पर लाभान्वित कराने के उन्होंने निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सीडी रेशियो को मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों की एसीआर से जोड़ा गया है। जिन जनपदों का सीडी रेशियो 40 प्रतिशत से कम है, उनके द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर सीडी रेशियो बढ़ाने के लिये बेहतर कार्य योजना बनायी जाये। आगामी 31 मार्च की रिपोर्ट में जनपद की पिछले के मुकाबले अच्छे आंकड़े प्रदर्शित होने चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि सीडी रेशियो बढ़ाने के लिये सीएम युवा, किसान क्रेडिट कार्ड जैसी लाभकारी योजनाओं में अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों के ऋण स्वीकृत कराये जाये, साथ ही इस बात का भी विशेष ध्यान रखा जाये कि बड़े-बड़े उद्यमियों को ऋण मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

राम से बड़ा राम का नाम, वेदों का सार है रामचरित मानस का आधार

रामकथा के महात्म के बारे में श्री शम्भू पंचअग्नि अखाड़े के आचार्य संगम ने दी जानकारी, सभी मानवीय मूल्यों व रिश्तों को निभाने की प्रेरणा देता है रामचरित मानस

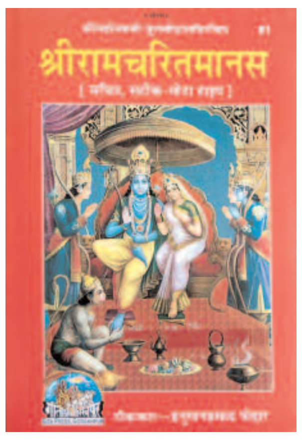

महाकुम्भनगर। आपने अक्सर सुना होगा राम से बड़ा राम का नाम, मगर ऐसा क्यों है यह सवाल अक्सर लोगों के मन में आता है। इसी महत्वपूर्ण प्रश्न का जवाब महाकुम्भ-2025 में संतों के सानिध्य से श्रद्धालुओं को प्राप्त हो रहा है। इस विषय में श्री शम्भू पंचअग्नि अखाड़ा के आचार्य संगम ने जानकारी देते हुए कहा कि राम का नाम केवल प्रभु श्रीराम के अवतार तक ही सीमित नहीं है बल्कि सकल ब्रह्मांड के स्पंदन का नाद है। राम नाम की महिमा क्या है इसे समझना हो तो गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरित मानस का अध्ययन और महात्म समझना आवश्यक है। उनके अनुसार, रामचरित मानस कोई ग्रंथ नहीं है बल्कि यह ईश्वर द्वारा मानव कल्याण के लिए सौंपी गई अनुपम भेंट है। आज के आधुनिक परिवेश में युवाओं को अधिक से अधिक रामचरित मानस से जुड़कर आदर्श जीवन जीने की सूक्ति को समझकर उसे अपने जीवन में ढालना चाहिए। यही कारण है कि देववाणी संस्कृत के बजाए तुलसीदास जी ने इसकी रचना अवधी भाषा में की थी।

महादेव शिव को राम नाम कितना प्यारा है यह किसी से छिपा नहीं है। राम नाम की महिमा तो खुद महादेव ने ही एक बार माता पार्वती को बताई थी। इस विषय पर आचार्य संगम ने बताया कि तुलसीदास जी जब ईश्वरीय आज्ञा से काशी के अस्सी घाट पर रामचरित मानस ग्रंथ को लिखने का कार्य प्रारंभ कर रहे थे, तब स्वयं बाबा विश्वनाथ तुलसीदास जी के सपने में आए और उन्होंने इसे वेदवाणी संस्कृत के बजाय साधारण देशज भाषा में लिखने का आदेश दिया जिससे इसका लाभ आम लोगों तक भी पहुंच सके। आचार्य संगम के अनुसार, काशी में ही जब रामचरित मानस के महात्म को प्रकाशित करने के लिए परीक्षा ली गई तो जो परिणाम आया उसने सभी को दंग कर दिया था। उनके अनुसार, महाराष्ट्र के अखंडानंद जी ने इस विषय में उन्हें जानकारी दी थी कि जब रामचरित मानस को प्रमाणित करने के लिए वेद समेत सभी ग्रंथों के नीचे रखा गया था तो ईश्वरीय आज्ञा से रामचरित मानस स्वतः ही सभी ग्रंथों के ऊपर आ गया। यह इसकी सार्वभौमिकता और सभी ग्रंथों के मूल तत्वों के संकलित स्वरूप होने के भाव को दशार्ता है। आज के युवाओं को सद्कर्म, सद्चरित्र और ईश्वरीय मार्ग की प्रेरणा देने के साथ ही रोजमर्रा के जीवनयापन को भी आदर्श तरीके से कैसे किया जाए इसकी प्रेरणा रामचरित मानस देता है। आचार्य संगम ने कहा कि चाहें कोई भी मानवीय रिश्ते हों, चाहें कोई भी परिस्थिति हो, चाहें जैसी भी विषम स्थिति हो, आदर्श आचरण कैसा होना चाहिए इस बात की प्रेरणा रामचरित मानस से मिलती है। यही कारण है कि कोई व्यक्ति अपने जीवन के किसी भी दौर से गुजर रहा हो अगर वह रामचरित मानस का अनुसरण करेगा तो उसे सद्कर्म और ईश्वरीय प्रेरणा का लाभ अवश्य मिलेगा। यह ईश्वर को समझने के साथ ही उनकी सीख के अनुसार खुद को निर्मल बनाने का मार्ग है और यही कारण है कि आज की युवा पीढ़ी अगर रामचरित मानस का अनुसरण कर जीवनयापन करेगी तो व देश, प्रदेश, कुटुम्ब समेत व्यक्तिगत विकास के लिए भी श्रेयस्कर होगा।

महाकुम्भ में संन्यासी अखाड़ों की नई विधायिका का चुनाव सम्पन्न

श्री पंचायती अखाड़ा महा निवार्णी में 16 सदस्यीय विधायिका का हुआ चुनाव, आठ श्री महंत और आठ उप महंत अगले कुम्भ के लिए उठाएंगे दायित्व

संन्यासी अखाड़ों की काशी के लिए हुई रवानगी, नागा संन्यासी भी चले बाबा विश्वनाथ के दरबार

हिन्द आत्मा संवाददाता

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ से अखाड़ों के विदा होने का सिलसिला शुरू हो गया है। महाकुम्भ के सेक्टर 20 में बनाए गए अखाड़ा क्षेत्र में प्रमुख शैव अखाड़ों ने अपनी रवानगी के पूर्व संपादित होने वाली परम्परा और प्रक्रिया को पूरा कर लिया है। इसी के अंतर्गत अखाड़े में पंच परमेश्वर या नई विधायिका का चुनाव भी किया गया। महाकुम्भ से विदा होने के पूर्व अखाड़ों में अपने नए पंच परमेश्वर या विधायिका की परम्परा है। प्रयागराज महाकुम्भ में भी इसका निर्वाह करते हुए श्री पंचायती अखाड़ा महा निवार्णी ने अपनी नई विधायिका का चयन कर लिया। श्री पंचायती अखाड़ा महा निवार्णी के सचिव महंत जमुना पुरी जी का कहना है श्री पंचायती अखाड़ा महा निवार्णी अखाड़े में 8 श्री महंत और 8 उप महंत का चयन किया है। छावनी में धर्म ध्वजा के नीचे नए पंच परमेश्वर का चुनाव सम्पन्न हुआ। इस महाकुम्भ में जिन आठ श्री महंत का चयन किया गया है उसमें श्री महंत रविंद्र पुरी जी, श्री महंत रमेश गिरी जी, श्री महंत बंशी पुरी जी, श्री महंत विनोद गिरी जी, श्री महंत मृत्युंजय भारती जी, श्री महंत मनोज गिरी, श्री महंत प्रेम पुरी जी और श्री महंत गंगा गिरी जी शामिल हैं। इसी तरह जिन संतो को उप महंत या कारवारी का चयन हुआ है उसमें दिगम्बर शिव पुरी जी, दिगम्बर रवि गिरी जी , विश्वनाथ पुरी जी, रमाशंकर गिरी जी, मनसुख गिरी हो ब्रह्म नारायण पुरी जी और उमाशंकर गिरी जी शामिल हैं। पुरानी विधायिका के स्थान पर अब यह नई विधायिका अगले कुम्भ तक जिम्मेदारी संभालेगी। श्री पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी के संतों ने काशी प्रस्थान के पहले प्रस्थान की अपनी अनुष्ठान की परम्परा का निर्वाह किया। अनुष्ठान के बाद धर्म ध्वजा की तनियां ढीली कर दी गई। अखाड़े के देवता की पूजा की गई। इसके पूर्व अखाड़े के सर्वोच्च पदाधिकारियों का चुनाव हुआ। अखाड़े के सचिव महंत जमुना पुरी बताते हैं कि पंच परमेश्वर काशी के लिए प्रस्थान कर गया है। अखाड़े का पंच परमेश्वर बाबा विश्वनाथ की अंतरग्रही पंचकोसी परिक्रमा करने के बाद महा शिव रात्रि में बाबा विश्वनाथ के दर्शन करेंगे। इसके पश्चात सभी संत अपने अपने स्थान के लिए रवाना हो जायेंगे।

पथ विक्रेताओं की समस्या के समाधान हेतु, नगर आयुक्त ने समस्त जोनल प्रभारियों से की बैठक, सर्वे के दिये निर्देश

साप्ताहिक बाजार हेतु स्वास्थ्य विभाग तथा जोनल की टीम करेंगी संयुक्त सर्वे : नगर आयुक्त

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा पैठ बाजार लगाने वालों तथा पथ विक्रेताओं की समस्याओं के समाधान हेतु समस्त जोन के जोनल प्रभारी के साथ बैठक की गई बैठक में साप्ताहिक बाजारों के लिए कार्य योजना बनाई गई जिसमें सभी उपस्थित जनों को सर्वे करने के निर्देश दिए हैं जोनल प्रभारी पथ विक्रेताओं का सर्वे करेंगे, जिसके आधार पर गाजियाबाद नगर निगम एवं टाउन वेंडिंग कमेटी पॉलिसी बनाएगा साथ ही ऐसी स्थान को भी चिन्हित किया जाएगा जहां पर अस्थाई रूप से बाजारों को लगाया जा सकता है सर्वे करने के निर्देश नगर आयुक्त द्वारा दिए गए हैं।

अरुण कुमार यादव अपर नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम महापौर तथा नगर आयुक्त महोदय के निर्देश अनुसार साप्ताहिक बाजार हेतु कार्य योजना बना रहा है जिसमें ऐसे स्थानों को शहर में चिन्हित किया जाएगा। जहां पर अस्थाई समाधान पथ विक्रेताओं को दिया जाएगा, समस्त जोन की टीम लगभग 5 दिन के भीतर सर्वे करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी इसके 13 फरवरी को टाउन वेंडिंग कमेटी के माध्यम से प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए निर्णय लिया जाएगा। गाजियाबाद नगर निगम जहां आवागमन को सरल बनाने हेतु कार्य कर रहा है अवैध अतिक्रमण को हटा रहा है वही नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा अधिकारियों के साथ साप्ताहिक बाजारों की समस्या के समाधान हेतु बैठक भी की गई है बैठक में स्थान का सर्वे करने के साथ-साथ पथ विक्रेताओं का सर्वे करने के लिए भी आदेश दिए गए हैं, अंतिम निर्णय टाउन वेंडिंग कमेटी के माध्यम से होगा कार्य योजना गाजियाबाद नगर निगम बना रहा है, बैठक में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र व समस्त जोनल प्रभारी उपस्थित रहे।

महाकुंभ 2025 में अमृतयोग का रहा साक्षात अनुभवः जगद्गुरु रामभद्राचार्य

जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने महाकुम्भ 2025 को अब तक का सबसे सुंदर, दिव्य और अविस्मरणीय बताया

महाकुम्भ नगर। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने महाकुम्भ 2025 को अब तक का सबसे सुंदर, दिव्य और अविस्मरणीय बताया। उन्होंने कुम्भ के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह आयोजन मानवता के लिए एक पवित्र अवसर है।

उन्होंने कहा कि लोग चाहे जितनी भी आलोचना करें, लेकिन मैंने इस कुंभ में साक्षात 'अमृतयोग' का अनुभव किया है। त्रिवेणी संगम के पानी में जो अमरत्व और आध्यात्मिक शक्ति समाई है, उसे मैंने स्वयं अनुभव किया है। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने महाकुम्भ 2025 के प्रबंधन और भव्यता की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस बार का कुम्भ हर दृष्टि से अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि मैं 1977 से कुम्भ में आ रहा हूं, लेकिन इससे अधिक सुंदर और दिव्य कुंभ मैंने पहले कभी नहीं महसूस किया। यह आयोजन वास्तव में भव्यता, भक्ति और भारतीय संस्कृति का अद्भुत संगम है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे इस कुम्भ का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और न केवल स्नान करें, बल्कि संतों का सान्निध्य प्राप्त कर आध्यात्मिक ज्ञान भी अर्जित करें।

दो मुकदमों में राकेश टिकैत व विधायक योगेश धामा को मिली अग्रिम जमानत

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत व बागपत विधायक योगेश धामा व पूर्व मंत्री तथा कई विधायकों ने पॉच हजार किसानों व कार्यकताओं के साथ सन 2014 मे मुरादनगर गंग नहर पर चौधरी अजित सिंह के दिल्ली निवास को खाली किये जाने के विरोध में धरना प्रदर्शन किया था जिसमें पुलिस द्वारा किसानों के साथ-साथ राकेश टिकैत, पूर्व मन्त्री दलवीर सिंह व कई नामजद विधायकों व किसानों के खिलाफ गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। शुक्रवार को गाज़ियाबाद त्वरित न्यायालय कोर्ट संख्या 2 (विशेष न्यायालय एमपी, एमएलए) की सेशन कोर्ट निशांत मान के न्यायालय में राकेश टिकैत व बागपत विधायक योगेश धामा ने अपने अधिवक्ता चौधरी अजय वीर सिंह एडवोकेट के माध्यम से अग्रिम जमानत याचिका प्रस्तुत की। जमानत याचिका पर बहस के बाद विशेष न्यायालय एमपी, एमएलए, त्वरित न्यायालय कोर्ट संख्या 2 के न्यायाधीश निशांत मान ने दोनों की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर की है। एक सप्ताह पूर्व भी इसी घटना से जुड़े एक अन्य मामले में भी राकेश टिकैत सहित अन्य विधायकों की जमानत मंजूर की गई थी।

महाकुंभ में 115 दिन के प्रवास के बाद श्री पंच दशनाम अखाड़ा ने किया प्रस्थान : श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज

देवताओं को उठाकर रामापुर में स्थापित किया गया अब 40 दिन का होगा काशी प्रवास, व्यवस्था बनाने के लिए श्रीमहंत हरि गिरि महाराज काशी के लिए रवाना हुए

प्रयागराज (हिन्द आत्मा)। श्री पंच दशनाम अखाडा शुकवार को महाकुंभ से रामापुर के लिए प्रस्थान कर गया। दो दिन तक अखाडे के सभी पदाधिकारी व साधु-संत रामापुर में ही निवास करेंगे। 9 फरवरी को सभी काशी के लिए रवाना हो जाएंगे, जहां 40 दिन का प्रवास रहेगा। श्री दूधेश्वर मंदिर के पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि रमता पंच के चारों श्रीमहंतों श्रीमहंत दुत पुरी महाराज, श्रीमहंत निरंजन भारती महाराज, श्रीमहंत मोहन गिरि महाराज व श्रीमहंत रामचंद्र गिरि महाराज ने देवताओं को उठाया और उन्हें रामापुर में ले जाकर स्थापित किया। दो दिन तक सभी साधु-संयासियों का निवास रामापुर में होगा और 9 फरवरी को सभी साधु-संत 40 दिन के प्रवास हेतु काशी के लिए रवाना हो जाएंगे, जहां मोहनपुर चौक पर साधु-संतों द्वारा स्वागत किया जाएगा। महाराजश्री ने बताया कि काशी में भी शाही सवारी निकेलगी। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व पर अखाडे की ओर से जुलूस-शोभा यात्रा निकाली जाएगी और भगवान विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया जाएगा। होली पर्व पर मणिकर्णिका घाट पर होली खेलने के बाद ही सभी साधु-संत अपने मंदिर, मठ, आश्रम आदि के लिए रवाना होंगे। जूना अखाड़े के चुनाव भी काशी में ही होंगे। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज व्यवस्था बनाने के लिए काशी रवाना हो गए हैं। जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय सभापति श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज, श्री दूधेश्वर मंदिर के पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज, श्रीमहंत महेश पुरी महाराज, श्रीमहंत शैलेंद्र गिरि महाराज, महंत शिवानंद सरस्वती महाराज, महंत गिरिशानंद गिरि महाराज श्रीमहंत तीर्थ गिरि महाराज समेत रमता पंच के सभी श्रीमहंत, महंत, कोतवाल, थानापति समेत सभी अन्य पदाधिकारी व साधु-संत भी 9 फरवरी को काशी के लिए प्रस्थान कर जाएंगे। अखाडे ने प्रयागराज महाकुंभ में 16 अक्टूबर को प्रवेश किया था। 115 दिन के प्रवास के बाद शुक्रवार को अभिजीत मुहूर्त में देवताओं को उठाकर रामापुर में स्थापित किया गया। इसी के साथ श्री पंच दशनाम अखाडा प्रयागराज महाकुंभ को प्रस्थान कर गया। श्री दूधेश्वर नाथ महादेव मठ मंदिर द्वारा सेक्टर 20 संगम लोअर मार्ग पर शास्त्री ब्रिज के नीचे कुंभ मेला क्षेत्र में लगाए गए श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर 12 फरवरी तक लगा रहेगा।

महाकुम्भ 2025 परमार्थ निकेतन शिविर में विद्वत कुम्भ का दिव्य व भव्य आयोजन

विद्वत कुम्भ- भारतीय ज्ञान परम्परा की बैठकी, श्री चित्रकूट तुलसी पीठाधीश्वर, जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज का पावन सान्निध्य और आशीर्वाद

हिन्द आत्मा संवाददाता

ऋषिकेश। भारत की प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, ज्ञान परंपरा और अध्यात्मिक विरासत को पुनः जीवित करने का अनूठा अवसर, महाकुम्भ 2025 में परमार्थ निकेतन, शिविर में तीन दिवसीय विद्वत कुम्भ का आयोजन किया गया। यह आयोजन विशेष रूप से भारतीय संस्कृति, योग, वेद, उपनिषद, और धार्मिक परंपराओं पर केंद्रित है ताकि नए पीढ़ी तक इस दिव्य ज्ञान को पहुँचाया जा सके। विद्वत कुम्भ का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा को समर्पित है, जिसमें भारत के श्रेष्ठ विद्वान, पूज्य संत और मनीषी एकत्रित हुये हैं। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, धर्म, वेद, संस्कृत, योग, और दर्शन पर गहन विचार-विमर्श और संवाद करना है। इस बहुमूल्य अवसर पर भारतीय समाज और संस्कृति के अद्वितीय पहलुओं पर विचार विमर्श किया जा रहा है। भारतीय समाज को अपनी गौरवमयी धरोहर से पुनः जोड़ने के साथ यह उत्सव सांस्कृतिक पुनर्निर्माण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा, जो महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को भारत की महानता और समृद्धि का दर्शन करायेगा। आज के समय में जब युवा वर्ग पश्चिमी संस्कृति और आधुनिकता के प्रभाव में आकर अपनी जड़ों से कटता जा रहा है, उन्हें इस आयोजन के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर पूज्य जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति सहने और देने की संस्कृति है। भारतीय संस्कृति कठिनाईयों में आनंद की संस्कृति है, कल्पवास उसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने तीर्थ की महिमा बताये हुये कहा कि तीर्थ हमें सब के कल्याण का संदेश देते हैं। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि भारत की संस्कृति, अध्यात्म और ज्ञान परम्परा अनंत काल से विश्व में प्रेरणा का स्त्रोत रही है। यह हमारी पहचान, हमारी ताकत और हमारे इतिहास का अद्वितीय अंग है। इस संस्कृति को युवाओं तक पहुंचाना आवश्यक है ताकि वे अपने मूल्यों, परंपराओं और आस्थाओं से जुड़ सकें। वर्तमान समय में, जहां पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव तेजी से बढ़ता दिखायी दे रहा है, ऐसे समय में भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से युवाओं को जोड़ना अत्यंत आवश्यक हो गया है। विभिन्न संस्कृतियों से सजी युवा पीढ़ी को भारतीय जीवन शैली, तात्त्विक विचारधारा, योग, ध्यान, संस्कृत, और वेदों के अद्वितीय ज्ञान से अवगत कराना आवश्यक है। स्वामी जी ने कहा कि पूज्य जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज के अथक प्रयास के कारण ही हम श्रीराम मन्दिर के दर्शन कर पा रहे हैं। साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा कि हमें महाकुम्भ के असली ताकत को विश्व तक ले जाना है। महाकुम्भ भारतीयों की आस्था, तप व त्याग का परिणाम है। महाकुम्भ, सनातन संस्कृति का आकर्षण है और ब्रह्मण्ड के आमंत्रण का पर्व है इसलिये इसका आनंद लें। पद्म श्री मालिनी अवस्थी जी ने कहा कि नदियाँ ने पूरे देश को जोड कर रखा है। भूगोल ने हमें भले ही अलग किया हो परन्तु हमारी संस्कृति व नदियों ने हमें जोड़ कर रखा है। महाकुम्भ की असली ताकत तीर्थ यात्रियों का संयम, धैर्य व सहनशक्ति ही है।

इस दिन दिवसीय विद्वत महाकुम्भ में पद्म विभूषण डॉ सोनल मानसिंह, प्रसिद्ध अभिनेता श्री पंकज त्रिपाठी जी, श्री संजीव सान्याल जी, जे नंदकुमार जी, पद्मश्री डॉ विद्या बिन्दु सिंह, पद्मश्री शेखर सेन, मिथिलेश नंदिनी जी, पद्म श्री मालिनी अवस्थी जी, श्री यतीन्द्र मिश्र जी, श्री प्रफुल्ल केलकर जी, ऋचा अनिरूद्व जी, पद्मश्री प्रतिभा प्रह्लाद जी, श्री आशुतोष शुक्ला जी, रमा बैद्यनाथन जी, प्रो संगीता श्रीवास्तव जी, प्रो आलोक कुमार राय जी, प्रो नीरजा गुप्ता जी, अद्वैता काला जी, प्रो मॉली कौशल जी, डा अन्नया अवस्थी जी, राहुकल नील जी, सुनीता अवनी अमीन जी और अनेक विशिष्ट विभूतियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।